



श्री दुर्गा चालीसा पाठ से मानव में चेतना का संचार कर रहा भगवती मानव कल्याण संगठन: लवकेश सिंह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भगवती मानव कल्याण संगठन बेंगलूरु द्वारा उत्तर भारतीय दुर्गा मंदिर सारे पलिया नागवारा में 5 घंटे का अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ धर्म सम्राट युग चेतना पुरुष परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के निर्देशन एवं संरक्षण में संपन्न किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में महिला पुरुष श्रद्धालु उपस्थित हुए।

शंखनाद करके कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, गुरुदेव जी के जयकारे दीप् कुमार एवं मां के जयकारे टीम प्रमुख पूजा बहन द्वारा लगाया। अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ नमो नमो दुर्गे सुख करनी नमो अंबे दुख हरनी। 5 घंटे पाठ अनवरत होता रहा जिसकी ऊर्जा से आसपास का वातावरण चैतन्य हो गया। कार्यक्रम के समापन में उपस्थित भगवती मानव कल्याण संगठन बेंगलूरु के सचिव लवकेश सिंह लिखित ने बताया कि



कर्नाटक प्रदेश में मां की चेतना जगाने हेतु धर्म सम्राट युक्त चेतन पुरुष परमहंस योगीराज श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के निर्देशन में एवं भगवती मानव कल्याण संगठन केंद्रीय महासचिव सिद्धाश्रम रत्न श्री अजय अवस्थी के मार्गदर्शन में बेंगलूरु शहर में

108 मां भगवती की आरती का क्रम संपन्न किया गया है। 5 घंटे का अखंड श्री दुर्गा चालीसा पाठ के 11 सार्वजनिक कार्यक्रमों का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें तीसरा कम उत्तर भारतीय दुर्गा मंदिर में संपन्न हुआ। इसके पश्चात बेंगलूरु में 24 घंटे का प्रांतस्वरीय अखंड

श्री दुर्गा चालीसा पाठ का आयोजन किया जाना है, जिसमें हजारों की संख्या में जन जन समुदाय उपस्थित होगा। लवकेश सिंह ने बताया की श्री शक्तिपुत्र जी महाराज के निर्देशन में एक और मां की आरती एवं दुर्गा चालीसा पाठ के माध्यम से मानव

की सोई हुई चेतना को जगाया जा रहा है।

क्योंकि मानव की संरचना ऐसी है कि बिना माता भगवती आदि शक्ति जगत जननी जगदंबा के आशीर्वाद के मानव शरीर के अंदर विराजमान दिव्य चेतना सुप्त अवस्था में रहती है। लेकिन जब अवगुणों से मुक्त होकर उनकी शरण में मानव पहुंचता है तो वह चेतन को प्राप्त होती है। नशा मुक्ति एवं मांसाहार मुक्त चरित्रवान का अभियान चलाकर मानव समाज का उद्धार किया जा रहा है। जब तक मनुष्य दुर्गुणों से दूर नहीं होगा तब तक किसी भी देवी देवता का आशीर्वाद सार्थक नहीं हो सकता है। भगवती मानव कल्याण संगठन द्वारा यह कार्यक्रम निशुल्क लोक कल्याण हेतु करवाए जाते हैं। संगठन का लक्ष्य नशे मांस से मुक्त चरित्रवान समाज का निर्माण कर जाति भेद जैसी बुराइयों को दूर करना है।



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद के तत्वावधान में तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा सीपीएस एकाडमी फॉर लीडरशिप एंड एक्सीलेंस के अंतर्गत आयोजित देशभर की प्रथम लीडरशिप कार्यशाला एलाइन का युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी संयमलता जी के पावन सानिध्य में अभातेयुप उपाध्यक्ष प्रथम पवन मांडोट की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

साध्वी श्री संयमलता द्वारा नमस्कार महामंत्र के मंत्रोच्चार से कार्यक्रम की शुरुवात हुई। साध्वी ने अपने मंगल उद्बोधन में एक सफल लीडर में क्या गुण होने चाहिए के बारे में बताया एवं सभी

को साथ में जोड़कर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम में विजय गीत का संगान विजय स्वर संगम टीम द्वारा किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वचन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पवन मांडोट द्वारा किया गया। तेयुप अध्यक्ष विकास बाँठिया ने सातों सभा, युवक परिषद्, महिला मंडल, प्रोफेशनल फोरम, जैन युवा संगठन, अहम मित्र मंडल, विजयनगर परिषद व अन्य सभी संघीय संस्थाओं से पधारे हुए पदाधिकारियों का स्वागत किया। सीपीएस राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, मुख्य अतिथि युवा गौरव विमल कटारिया व पवन मांडोट ने कार्यक्रम की महत्ता बताते हुए अपनी शुभकामनायें संप्रेषित की। तत्पश्चात प्रशिक्षक अरविंद मांडोट

व नितिन लुणिया ने विभिन्न सत्रों द्वारा कुशल नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, मीटिंग का आयोजन कैसे हो, समूह में कार्य कैसे किया जाए, निर्णय कैसे लिया जाए आदि एक दिवसीय नेतृत्व गुणों के बारे में बताते हुए सभी प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। इस कार्यशाला को सफल बनाने में तेयुप प्रबंध मंडल से प्रदीप बाबेल, पवन बैद, अमित नाहटा, मनीष चावत, करण मांडोट, पीयूष ललवानी, कमलेश चोपड़ा व संयोजक विनीत गांधी का सराहनीय श्रम रहा। अर्थ सहयोगी मनोहरलाल, राकेश, मुकेश बाबेल परिवार, स्थान सहयोगी अहम मित्र मंडल व सभी का आभार मंत्री योगेश पोरवाड़ ने व्यक्त किया।

सुपर मॉम्स कार्यक्रम में माताओं ने अपने बच्चों की प्रतिभाएं दर्शाई

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुडी के तत्वावधान में साध्वी श्री हर्षपूर्णाश्रीजी के सान्निध्य में 'बसवनगुडी सुपर मॉम्स' कार्यक्रम आयोजित किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने अपने संदेश में सभी बच्चों को शुभकामनाएं प्रदान की। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने सभी बच्चों की धर्म के प्रति रुचि और प्रतिभा देखकर उन्हें भविष्य में और आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में 40 से अधिक बच्चों ने जिनधर्म और जैनियम के विषय पर स्पीच, ड्रामा, सिंगिंग, डांसिंग आदि अनेक विधाओं के माध्यम से अपनी माताओं के



सहयोग से अपनी-अपनी प्रतिभाएं प्रदर्शित की। इस कार्यक्रम के निर्णायक मंडल में राजेन्द्र गुलेच्छा और पवनी बाफना थे। निर्णायकों द्वारा प्रथम, द्वितीय और तृतीय विजेताओं की घोषणा अगले रविवार को की जाएगी। साधु साध्वी जी भगवन्तो के आध्यात्मिक चातुर्मास के

दौरान दादावाड़ी प्रांगण में प्रति रविवार बच्चों और बड़ों के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान पुखराज कवाड, जानवारिका के बच्चों के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी समस्त संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि अगर हमें सदा यह याद रहे, कि हम इस दुनिया में एक मेहमान की तरह हैं, एक दिन हमें सब छोड़ वापस जाना है, तो एक दूसरे से सारी शिकायतें तो समाप्त हो ही जायेंगी, और हमारा झूठा अहंकार भी नष्ट हो जायेगा।

साध्वी ने कहा कि सुख दो प्रकार के होते हैं एक अस्थायी सुख जो केवल भौतिक सुख-सुविधाओं से प्राप्त होता है और दूसरा अधिक स्थायी सुख जो मन के संपूर्ण परिवर्तन और विकास से



प्राप्त होता है। हम अपने जीवन में देख सकते हैं कि सुख का दूसरा रूप श्रेष्ठ है क्योंकि जब हमारी मानसिक स्थिति शांत और खुश होती है, तो हम छोटी-मोटी पीड़ाओं और शारीरिक असुविधाओं को आसानी से सहन कर लेते हैं। दूसरी ओर, जब

हमारा मन बेचैन और परेशान होता है, तो सबसे आरामदायक भौतिक सुविधाएं भी हमें खुश नहीं कर पातीं।

साध्वी शीतलगुणा श्री ने कहा कि कल्याण व संयम की बातें सुनकर ही जानी जाती है। अच्छे श्रोता की तरह अपने अंतर भावों

और आत्मिक सोच को बदलना आवश्यक है। उनमें परिवर्तन लाओ, अहं का त्याग करो।

संयम साधना के मार्ग पर चलकर आत्मिक सुख और आनंद की प्राप्ति करो। प्रवचनों को सुनो, चिंतन मनन करो और उन्हें आचरण में उतारो। अच्छे श्रोता बनकर ही संयम और कल्याण कारक बातों को सुना और समझा जा सकता है। साध्वी ने कहा कि साधनामय जीवन व्यतीत कर नायक बनना चाहते हैं या सांसारिक कषाय भरा मिथ्या अहं से युक्त जीवन को खलनायक की तरह बिताना चाहते हैं। अच्छे या बुरे विचार सुनकर ही अपनाए जाते हैं जो जीवन को संवारते या बिगाड़ते हैं।

श्री शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र गुरुमंदिर संघ अध्यक्ष पूनमचंद सोलंकी ने बताया कि साध्वीवृंद की निष्ठा में अनेकविध कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं। अट्टम तप के पारना और गौतम कमल लब्धीतप का वियासणा का लाभ गुलाबी बाई जोमताराज भंडारी राजु भंडारी परिवार ने लिया। शंखेश्वर भगवान की आरती का लाभ भंवरलाल पेराजमल परिवार चुरा, मंगल दीपक का लाभ गौतमचंद प्रेमचंद परिवार, गुरुदेव की आरती का लाभ अम्बालाल फूलचंद परिवार ने लिया। कार्यक्रम का संचालन महावीर संघवी ने किया।

प्रभु की वाणी विनय भाव से सुने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हमारे अंदर बैठी हुई मान संज्ञा हमें नाम कमाने के लिए उकसाती है। नाम अभिमान को पोषित करता है। नाम के नशे में व्यक्ति अनर्थ भी कर बैठता है। नाम की लालसा हमें बेचैन रखती है। ये विचार साध्वी श्री इंद्रुप्रभाजी ने महावीर भवन अलसूर में आयोजित प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बड़े बड़े राजा महाराजा चक्रवर्ती के भी नाम नहीं रहे हैं। नाम अस्थायी है। आत्मा स्थाई है। हमें आत्मा की चिंता करनी चाहिए। नाम शरीर पता ये सब परिवर्तनशील है। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी श्री वृद्धिप्रभा जी ने कहा कि हम सुनेंगे तो चुनेंगे। व्यवहार में आंख और आध्यात्म में कान को महत्व दिया है। प्रभु की वाणी हम कान प्राण और ध्यान से सुने। सुन कर आचरण में लाए। प्रभु की वाणी सुनते वक्त मन में बैठी पूर्व विचार धाराओं को बाहर ही छोड़कर विशुद्ध मन से सुने। खाली घड़े में पानी भरा जा सकता है। पहले ही भरे घड़े में नवीनता नहीं आ सकती है। प्रभु की वाणी विनय भाव से सुने। सुनेंगे तो ही ज्ञान होगा और ज्ञान से ही विज्ञान होता है। सीधे मन से सिद्धि सरल हो सकती है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बाँठिया ने संचालन करते हुए बताया कि आगामी रविवार को जैनत्व विषय पर प्रदर्शनी का आयोजन होगा। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान लिए।

वृद्धाश्रम में मानव सेवा



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री नारायणी दादी परिवार के तत्वावधान में रविवार को अन्नपूर्णा सेवा रूपी प्रकल्प के अंतर्गत आनन्द सेवा सदन ट्रस्ट, राजराजेश्वरी नगर स्थित, जहां पर 100 वर्ष तक के उम्र के 203 वृद्धजन, निराश्रित, बीमार पुरुष एवं महिलाएं हैं, में पूरे दिन का भोजन सामग्री दिया गया। राजकुमार सर्राफ परिवार द्वारा इस सेवा का लाभ लिया गया। इस अवसर पर नारायणी दादी परिवार के ट्रस्टीगण अध्यक्ष महेश अग्रवाल, राजकुमार सर्राफ, आलोक सर्राफ, संतोष सर्राफ, नितेश बाजोरिया, दीपक बंसल, रिषभ सेठिया, चेतन महनसरीया, साक्षी सेठिया, नहल सेठिया, नहल जैन सहित सभी ने बहुत ही सच्ची श्रद्धा एवं समर्पित सेवा भाव से सेवा की।

विचारों की शुद्धता से ही जीवन का निर्माण होता है: साध्वी उपायना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जब हम अपने विचारों और इंद्रियों को वश में कर लेते हैं, तो हम अपने भीतर की वास्तविक क्षमता को प्राप्त कर सकते हैं और आध्यात्मिक उन्नति कर सकते हैं। इंद्रियों पर संयम का अर्थ है अपनी इंद्रियों को उनकी इच्छाओं और लालसाओं से मुक्त करना। हमारी पाँच इंद्रियाँ – आँख, कान, नाक, जीभ और त्वचा – लगातार बाहरी दुनिया से जानकारी प्राप्त करती हैं और हमें विभिन्न प्रकार के उत्तेजनाओं और अनुभवों का अनुभव कराती हैं। यदि हम इन इंद्रियों को बिना किसी नियंत्रण के अपनी इच्छाओं और लालसाओं के अनुसार कार्य करने दें, तो हम आसानी से भ्रमित हो सकते हैं और अपने आध्यात्मिक पथ से भटक सकते



हैं। जब हम अपने विचारों और इन्द्रियों को वश में कर लेते हैं, तब हमारे भीतर की वास्तविक शक्ति प्रकट होती है और आत्मा आध्यात्मिक ऊँचाइयों को प्राप्त करती है। इन्द्रियों पर संयम का अर्थ केवल उन्हें दबाना नहीं, बल्कि विवेकपूर्वक नियंत्रण करना है। जो व्यक्ति इन्द्रियों को वश में करता है, वह संवर की ओर बढ़ता है, और जो इन्द्रियों के वश में होता है, वह पतन की दिशा में

चला जाता है। हमारे अशुभ भाव पापों का उत्पादन करते हैं, जबकि शुभ भाव पुण्य कर्मों का बंध करते हैं। शुभ भाव तो आत्मा को स्वच्छ करते हुए पुराने कर्मों की निर्जरा भी करते हैं। इन्द्रियों को जितना बाहर से रोकोगे, आत्मा उतनी भीतर जागेगी। जीवन की ज्योति आत्मा का प्रकाश है, जो हमारे अंतःकरण को आलोकित करता है। विचारों का महासागर ही हमारी आत्मिक विशालता है।

व्यक्ति का भव उसके भावों से ही बनता है जैसे भाव, वैसी क्रिया और जैसी क्रिया, वैसी गति। इसलिए भावों की निगरानी और विचारों की पवित्रता आत्मा के उत्थान के लिए अत्यंत आवश्यक है। सभा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। इस मौके पर जैन कॉन्फ्रेंस राष्ट्रीय महिला रत्नीबाई मेहता भी मौजूद रही। पूर्व में साध्वी ऋषिता ने स्वतन की प्रस्तुति दी। मंगलवार को उपाध्याय केवलमुनि का 112वाँ जन्मोत्सव तप त्याग धर्म आराधना द्वारा मनाया जाएगा। सभा में उपस्थित सभी श्रद्धालुओं को गुरुवर्षा ने मांगलिक प्रदान किया। आभार ज्ञापन अध्यक्ष प्रकाशचंद चानोदिया ने दिया और संचालन संघ मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

संस्कारों की जड़ें, सपनों के पंख विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

टीपीएफ बेंगलूरु वेस्ट के फेमिना विंग द्वारा अहम भवन, विजयनगर में जड़ें और पंख संस्कारों की जड़ें, सपनों के पंख विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या साध्वी श्री संयमलता जी के पावन सान्निध्य में संपन्न हुआ। साध्वी श्री संयमलता जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि जीवन की मजबूत बुनियाद ही सच्चे संस्कार हैं। उन्होंने युवाओं को संबोधित करते



हुए कहा कि आधुनिकता की दौड़ में जीवन मूल्यों और संस्कारों को न भूलें। मोबाइल और ब्रांडेड जीवनशैली अपनाने से सफलता नहीं मिलती, बल्कि जीवन में दिशा और चरित्र चाहिए। उन्होंने

समझाया कि यदि मनुष्य के जीवन में आत्मिक और पारिवारिक संतुलन है तो वह हर परिस्थिति का सामना कर सकता है। कार्यक्रम का कुशल संचालन साध्वी श्री मार्दवयशा जी ने किया और उन्होंने

एस3 मॉडल (समझ, सम्मान, समय) को परिवार का आधार बताते हुए कहा कि ये तीनों बातें हर परिवार को एकजुट रखने के लिए आवश्यक हैं। साध्वी श्री रोनकप्रभा जी ने अपने वक्तव्य में

कहा यदि जॉइंट परिवार नहीं है, तो जॉइंट पेन होगा। उनका यह कथन श्रोताओं को सोचने पर विवश कर गया। कार्यक्रम की विशेष बात यह रही कि इसे भाषणमुक्त रखा गया ताकि सहभागिता बढ़े और सभी श्रोतागण अधिक जुड़ाव महसूस करें। इसके लिए इंटरएक्टिव क्विज, पोल और प्रश्नोत्तरी जैसे संवादात्मक माध्यमों का उपयोग किया गया, जिससे श्रोताओं ने पूरे मनोयोग से भाग लिया। कार्यक्रम में दीक्षा के जैन और स्वेता नाहटा की विशेष भूमिका रही। कार्यक्रम में श्रावक

समाज की अच्छी उपस्थिति रही और सभी ने इस आयोजन की सराहना की। कार्यक्रम में टीपीएफ फेमिना विंग की संयोजिका दीक्षा जैन, टीपीएफ अध्यक्ष ललित बेगानी, टीपीएफ साउथ जैन अध्यक्ष विक्रम कोठारी, संजय मालू, पवन बच्छावत, संजय चोरडिया, कौशल खटेड और टीपीएफ सदस्यों के परिवार के सभी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मिशन दृष्टि आई कैप में सहयोग देने वाले अस्प- तालों और डॉक्टर टीम का सम्मान किया गया।



का राजनीतिक युद्ध के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इसके लिए प्रवर्तन निदेशालय जैसी संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए, संविधान में विश्वास रखने वाले प्रत्येक बुद्धिमान भारतीय की राय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस फैसले से उन सभी लोगों को शांति मिली है जो पिछले 10-11 वर्षों से केंद्र सरकार और भाजपा द्वारा आयकर, सीबीआई और इंडी के दुरुपयोग के माध्यम से चल रही राजनीतिक द्वेष भावना के शिकार हुए हैं और न्याय व्यवस्था में उनका विश्वास जगा है। सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश के बाद भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की नींद खुली है और उन्होंने प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्हें आयकर, सीबीआई और इंडी जैसी संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग बंद करना चाहिए और उन्हें वह स्वायत्तता देनी चाहिए जिसके वे हकदार हैं और उनके पापों को धोना चाहिए। मुझ मामले के संबंध में, अगर राज्य के भाजपा और जेडीएस नेताओं में, जो मुझ पर और मेरे परिवार पर ममगढ़ आरोप लगा रहे हैं, थोड़ी भी गरिमा बची है, तो उन्हें अपनी गलती के लिए तुरंत सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।



नेलमंगला-तुमकुरु राजमार्ग पर सर्विस रोड जून 2026 तक खुलेगी

सड़क चौड़ीकरण परियोजना मार्च 2027 तक पूरी होगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
नेलमंगला और तुमकुरु के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों को कुछ राहत मिल सकती है क्योंकि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) जून 2026 तक सर्विस रोड खोलने की योजना बना रहा है, जबकि संपूर्ण राजमार्ग चौड़ीकरण परियोजना अब मार्च 2027 तक पूरी होने वाली है।
नेलमंगला टोल गेट से तुमकुरु तक राष्ट्रीय राजमार्ग 48 के 44.04 किलोमीटर लंबे हिस्से का चौड़ीकरण लंबे समय से चल रहे भूमि अधिग्रहण के मुद्दों के कारण रुका हुआ था। हालाँकि छह महीने के अंतराल के बाद इस साल अप्रैल में काम फिर से शुरू हो गया, लेकिन यात्री निराश हैं क्योंकि सर्विस रोड का निर्माण



मूल रूप से अगस्त 2025 तक पूरा होना था। अगस्त 2022 में शुरू होने वाली इस परियोजना में मौजूदा चार-लेन कैरिजवे को छह लेन तक विस्तारित करना और राजमार्ग को एक एक्सेस-कंट्रोल्ड रोड में बदलने के लिए दोनों ओर दो-लेन सर्विस रोड का निर्माण करना शामिल है। योजना पहले सर्विस रोड पूरी करने और यातायात को डायवर्ट करने की

थी, जिससे मुख्य कैरिजवे पर काम सुचारू रूप से चल सके। हालाँकि, भूमि अधिग्रहण की चुनौतियों के कारण इस कार्य में बड़ी बाधाएँ आईं। एनएचआई अधिकारियों के अनुसार, 35 अलग-अलग बिंदुओं पर भूमि के बीच का अंतर था। ये कई कारणों से उत्पन्न हुए – भूमि मालिकों को मुआवजा न मिलना, कुछ संपत्तियों का आधिकारिक

अधिग्रहण अधिसूचनाओं में शामिल न होना, और भूमि मालिकों का विरोध। इन बाधाओं के कारण परियोजना ठेकेदार को अस्थायी रूप से काम रोकना पड़ा। एनएचआई के एक अधिकारी ने कहा यह देरी मुख्य रूप से भूमि अधिग्रहण योजना के अनुसार न होने के कारण हुई। लेकिन अब इनमें से अधिकांश मुद्दों को सुलझा लिया गया है,

और ठेकेदार ने काम फिर से शुरू कर दिया है। अब, एनएचआई एक संशोधित समय-सीमा के साथ आगे बढ़ रहा है। अधिकारियों का लक्ष्य 2026 के मध्य तक सर्विस रोड का निर्माण पूरा करना और मार्च 2027 तक सड़क चौड़ीकरण का पूरा काम पूरा करना है। तुमकुरु रोड बेंगलूरु को कर्नाटक के मध्य और उत्तरी हिस्सों से जोड़ने वाला एक महत्वपूर्ण गलियारा है, यही वजह है कि देरी से हजारों दैनिक यात्रियों को असुविधा हुई है।
तुमकुरु के एक व्यवसायी मुनियप्पा एस. ने कहा चल रहे निर्माण कार्य से वाहन चालकों को भारी असुविधा हो रही है। हम समझते हैं कि सड़क निर्माण में समय लगता है, लेकिन बेहतर योजना होनी चाहिए। दो साल से ज्यादा हो गए हैं, और हम अभी भी आधे-अधूरे राजमार्ग पर संघर्ष कर रहे हैं।

सेकंड इनिंग्स संस्था की बैठक में नव ट्रस्टीगण का स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
स्थानीय लालबाग रोड स्थित गोडवाड़ भवन में सेकंड इनिंग्स ट्रस्ट संस्था की बैठक का आयोजन सभी ट्रस्टीगण की मौजूदगी में हुआ।

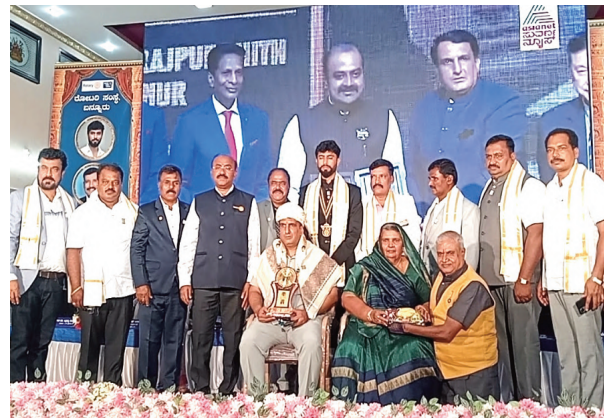
संस्था से जुड़े नए सदस्यों, ट्रस्टियों के स्वागत के उद्देश्य से हुई इस मीटिंग में हितेश श्रीश्रीमाल का भी सम्मान किया गया, जिन्होंने हाल ही संस्था को अपनी ओर से एटा गार्डन अपार्टमेंट के समक्ष संकल्प बिजनेस सेंटर में 250 स्क्वायर फीट के ऑफिस को उपहार स्वरूप प्रदान किया है। सेकंड इनिंग्स के अध्यक्ष रमेश बाफना, चेयरमैन रतनचंद श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल ने विविध गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर जोर देते हुए अपनी-अपनी बात कही। साथ ही अनेक सुझाव भी रखे। सेकंड इनिंग्स संस्था के मंत्री जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने मीटिंग का संचालन करते हुए नए ट्रस्टीगणों में आशीष बाफना, भरत सिंघवी, अशोक बाफना, कमल बांठिया आदि का परिचय कराते हुए शाल्यार्पण एवं



माल्यार्पण कर सत्कार किया। इसमें गौतमचंद धारीवाल, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, राजेश इसरानी, रमेश बाफना, रवि चोपड़ा, दिनेश लोढ़ा व पारसमल बरलोटा आदि ने सहयोग किया। गोडवाड़ भवन के ट्रस्टी एवं सम्मानित व्यक्तित्व कुमारपाल सिसोदिया भी संस्था की बैठक में उपस्थित रहे एवं उन्होंने सेकंड इनिंग्स संस्था की सेवाभावी गतिविधियों की भूरी भूरी प्रशंसा की। उल्लेखनीय है कि सेकंड इनिंग्स संस्था बेंगलूरु की ऐसी संस्था है जो प्रतिमाह अनेक स्वधर्मी जरूरतमंद परिवारों को गुप्त रूप से उच्च कोटि की राशन सामग्री प्रदान करती है तथा हर पखवाड़े अर्थात प्रत्येक पूर्णिमा व

अमावस्या को सैकड़ों लोगों के लिए अन्नदान का कार्यक्रम स्थानीय वाणी विलास अस्पताल परिसर में सुचारू रूप से करती है। आगामी दिनों में संस्था द्वारा जन सेवार्थ एंबुलेंस सेवा प्रारंभ करने पर भी संस्था की मीटिंग में ट्रस्टीगणों द्वारा विचार विमर्श किया गया। इस मीटिंग में सुनील गादिया, भरत सेठिया, अनीता गांधी, पुनीत सुराणा, अशोक बाफना, गौतमचंद मांडोट, प्रकाश चंद अलीजार, महावीर अलीजार आदि ट्रस्टीगण भी मौजूद रहे। मीटिंग के सफलतम आयोजन एवं स्वरुचि राजस्थानी भोज के साथ संपन्नता से पूर्व उपाध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

सामाजिक सेवाओं के लिए राजपुरोहित को किया सम्मानित



मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
रोटरी स्कूल के तत्वावधान में अंतर्राष्ट्रीय रोटरी कार्यक्रम का आयोजन बनूर में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में मैसूरु शहर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष यशस्विनी सोमशेखर तथा पंचश्री विजेता डॉ. केएस राजन्ना रहे। विभिन्न प्रकार की सामाजिक सेवाएं संचालित कर आम जन को लाभान्वित करने के उपलक्ष्य में

समाजसेवी महेंद्र सिंह राजपुरोहित तथा गवरी देवी राजपुरोहित को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष डॉ. राजीव, सचिव राजेश गौड़ा, बीएस योगेंद्र, विराट सिंह, वन्य कंवर, बीएन सुरेश, वासू, रामचंद्र, माणिकचंद, केंपेगौड़ा, नागराज, वेंकटेश, राजू सहित बड़ी संख्या में सदस्य गण उपस्थित रहे।

राष्ट्रसंत पूज्य ललितप्रभजी, चन्द्रप्रभ सागर जी के दर्शन वन्दन का लिया लाभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
श्री जिन कुशल सूरि जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के पदाधिकारी और सदस्य अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा के नेतृत्व में हैदराबाद में राष्ट्रसंत द्वय प. पूज्य श्री ललितप्रभ सागर जी, पूज्य श्री चन्द्रप्रभ सागर जी के दर्शन वन्दन हेतु पहुंचे।

राष्ट्रसंत पूज्य चन्द्रप्रभ सागर जी ने अपनी सोच को कैसे बड़ा बनाएं और बड़ी सोच से हम समाज, राज्य और राष्ट्रहित में कैसे योगदान प्रदान करें, इस विषय पर बहुत ही प्रेरणादायक प्रवचन दिया।
गुरुदेव ने अपने प्रवचन में कहा कि पांव में पड़ी हुई मोच और हमारी छोटी सोच हमें आगे नहीं बढ़ने देती। राष्ट्रसंत ललितप्रभ सागर जी ने ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल का भावपूर्ण



स्वागत किया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बताया कि दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में राष्ट्रसंतों के सान्निध्य में बेंगलूरु शहर का दिव्य चातुर्मास आध्यात्मिक दृष्टि से बहुत ही सफलतम चातुर्मास में से एक रहा और बेंगलूरु की धर्मप्रेमी जनता अभी तक उस चातुर्मास की यादें संजोए हुए हैं। ट्रस्ट के संघवी तेजराज गुलेच्छा ने अनंत लब्धि निधान गुरु गौतम स्वामी जी की

केवल ज्ञान भूमि गुणाया जी तीर्थ के जीर्णोद्धार के बारे में भी राष्ट्रसंतों को और सकल संघ को अवगत कराया। ट्रस्ट के ललित डाकलिया ने जानकारी दी कि इस अवसर पर सदस्यों ने साध्वी जी कनकप्रभा श्री जी, स्नेहांजना जी, प्रियस्मिता जी, प्रियस्वर्णांजना जी के दर्शन वन्दन का लाभ भी लिया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी, उपाध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष

महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, धर्मेंद्र संकलेचा, मोतीलाल ललवानी, ललित डाकलिया, कैलाश संकलेचा, सज्जनसिंह खटोड़, राकेश डाकलिया, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जवरीलाल गुलेच्छा, वीरचंद चोपड़ा, रमेश धारीवाल के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे। सभी साधु साध्वी जी भगवन्तों ने सकल संघ को धर्मलाभ और आशीर्वाद फरमाया।

कुलूर पुल पर 24 जुलाई तक यातायात निलंबित



मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण, राष्ट्रीय राजमार्ग 66 पर केआईओसीएल जंक्शन और कुलूर आर्च ब्रिज के बीच संपर्क मार्ग को भारी नुकसान पहुंचा है।

मरम्मत कार्य के लिए, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचआई) ने सोमवार रात 8 बजे से 24 जुलाई की सुबह 8 बजे तक पुल पर वाहनों की आवाजाही स्थगित करने की घोषणा की है।

क्षतिग्रस्त मार्ग से यात्रियों और वाहन चालकों को असुविधा हो रही है। मामूली मरम्मत के प्रयासों के बावजूद, लगातार बारिश के कारण सड़क बार-बार खराब हो रही है। चूंकि वर्तमान में डामरीकरण संभव नहीं है, इसलिए एनएचआई ने पेवर ब्लॉक मरम्मत कार्य करने का निर्णय लिया है। एनए-चएआई ने जनता और वाहन चालकों से इस अस्थायी यातायात निलंबन के दौरान सहयोग करने की अपील की है।

बस दुर्घटना के बाद बीएमटीसी ने कंडक्टर को निलंबित किया, आउटसोर्स ड्राइवर बर्खास्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
बेंगलूरु मेट्रोपालिटन ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन (बीएमटीसी) ने पीन्या बस स्टैंड पर हुई एक घातक इलेक्ट्रिक बस दुर्घटना में शामिल एक कंडक्टर को निलंबित कर दिया है। इस दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई थी और चार अन्य घायल हो गए थे। यह कदम बस के सीसीटीवी फुटेज की समीक्षा के बाद उठाया गया है। ई-बस का संचालन करने वाली आउटसोर्स निजी कंपनी ने नियुक्त ड्राइवर की सेवाएँ समाप्त कर दी हैं।

यह दुर्घटना 18 जुलाई की सुबह हुई जब 41 वर्षीय कंडक्टर रमेश ने पीन्या बस स्टैंड पर खड़ी बीएमटीसी इलेक्ट्रिक बस को



हटाने का प्रयास किया। ड्राइवर के कुछ देर के लिए बाहर जाने के कारण, रमेश ने बीएमटीसी के एक अधिकारी से हस्ताक्षर प्राप्त करने के बाद, अन्य बसों के लिए जगह बनाने के लिए बस को हटाने का फैसला किया। हालाँकि, वह वाहन से नियंत्रण खो बैठा और बस सड़क किनारे एक अस्थायी ढाबे में जा चुसी।

मांड्या की 25 वर्षीय महिला सुमा, जो सुनकदकट्टे में रहती थी और एक निजी फर्म में काम करती थी, स्टॉल के पास खड़ी थी। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चार अन्य घायल हो गए। बताया जा रहा है कि बस रुकने से पहले 50 से 80 मीटर तक चली। पीन्या ट्रैफिक स्टेशन की

पुलिस ने घटना के तुरंत बाद रमेश को गिरफ्तार कर लिया। जाँच से पता चला कि रमेश पहले बीएमटीसी में ड्राइवर के रूप में काम करता था और पिछले साल कंडक्टर की ड्यूटी पर चला गया था। हालाँकि उसे बस चलाने का अनुभव था, लेकिन बीएमटीसी अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना के समय उसे बस चलाने का अधिकार नहीं था। बीएमटीसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रमेश के निलंबन की पुष्टि की और कहा कि विस्तृत जाँच चल रही है। अधिकारी ने कहा हम इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि ऐसी चूक कैसे हुई और आवश्यक अनुशासनात्मक कार्रवाई कर रहे हैं।

गली जनार्दन रेड्डी, श्रीरामुलु फिर से एक हुए, दरार की अफवाहों को किया खारिज



कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।
मतभेद की चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए, गंगावती विधायक गली जनार्दन रेड्डी और वरिष्ठ भाजपा नेता बी श्रीरामुलु ने रविवार को गंगावती में एक पार्टी कार्यक्रम में सार्वजनिक रूप से अपनी एकता की पुष्टि की। ओबुलापुरम खनन मामले में जमानत पर रिहा रेड्डी ने श्रीरामुलु के साथ किसी भी पुरानी गलतफहमी की तुलना एक दोस्ताना टक्करव से करते हुए कहा, अगर हम कभी असहमत होते हैं, तो वह कृष्ण और अर्जुन की तरह होता है – कभी भी सच्चा अलगाव नहीं होता। कुछ लोग हमारे बीच की छोटी-छोटी खामोशियों का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे गलतफहमी में हैं। हम हमेशा एक हैं। उन्होंने आगे कहा कि दोनों मिलकर राज्य का दौरा करेंगे और

भाजपा को मजबूत करने के लिए काम करेंगे। रेड्डी को पहले खनन घोटाले में दोषी ठहराए जाने के बाद विधायक के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था, लेकिन तेलंगाना उच्च न्यायालय द्वारा सजा निलंबित करने के बाद उनका सदस्यता बहाल कर दी गई थी।

रेड्डी की भावनाओं को दोहराते हुए, श्रीरामुलु ने कहा, हमने पुराने सभी मुद्दों को सुलझा लिया है और राज्य भर के भाजपा नेताओं को एकजुट करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारे बीच कोई विवाद नहीं है। कभी बल्लारी में भाजपा के उत्थान की प्रेरक शक्ति माने जाने वाले रेड्डी-श्रीरामुलु की साझेदारी हाल के वर्षों में कथित तौर पर ठंडी पड़ गई थी। अब उनका पुनर्मिलन पार्टी के राज्य नेतृत्व के भीतर एक नए गठबंधन का संकेत देता है।

तेंदुआ घर में घुसा, कुत्ते बाल-बाल बच गए



उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।
बंटवाल तालुका के मूदनदुगा-ेडु गाँव के बाबाथोटा में एक किसान के घर में एक तेंदुआ घुस आया और कुत्तों पर हमला करने की कोशिश की। हालाँकि, कुत्ते जोर-जोर से भौंकने लगे और तेंदुआ भाग गया, जैसा कि सीसीटीवी फुटेज से पता चला है। यह घटना 17 जुलाई की रात लगभग 11:30 बजे प्रकाश पुजारी के घर पर हुई। हालाँकि तेंदुआ सीसीटीवी में कैद हो गया था, लेकिन उस समय मॉनिटर काम नहीं कर रहा था, और रविवार को मॉनिटर की मरम्मत के बाद ही तेंदुए की मौजूदगी का पता चला। तेंदुआ के जाने के समय, घर के दो कुत्ते और ज़ोर से भौंकने लगे मानो कोई आ गया हो। प्रकाश ने बाहर देखने की कोशिश की, लेकिन परिवार के सदस्यों ने डर के मारे

उसे रोक दिया। कुत्तों पर तेंदुए के झपटने और उसके अचानक भागने की घटना सीसीटीवी में कैद हो गई, लेकिन मॉनिटर खराब होने के कारण बाद में फुटेज नहीं देखी जा सकी। शुरुआत में, परिवार को शक हुआ कि किसी ने घुसपैठ की कोशिश की है, लेकिन उन्होंने किसी को सूचित नहीं किया। मॉनिटर की मरम्मत करवाने के बाद, फुटेज देखने पर उन्हें सच्चाई का पता चला। एक कुत्ते को मामूली चोट लगी थी, जिसके बारे में उन्होंने शुरू में सोचा कि यह कुत्तों के बीच हुई हाथापाई की वजह से हुआ होगा। प्रकाश पुजारी ने बताया कि हालाँकि वन विभाग को तेंदुए की मौजूदगी की सूचना दी गई थी, लेकिन उन्होंने उसे भगाने के लिए केवल पटाखे फोड़ने का सुझाव दिया था।



ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन के बांध बनाने से फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं : हिमंत बिस्व सरमा

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने सोमवार को ब्रह्मपुत्र पर दुनिया के सबसे बड़े बांध के निर्माण के चीन के कदम पर आशंकाओं को कम करने की कोशिश की और कहा कि उन्हें तत्काल चिंता की कोई बात नहीं दिखती क्योंकि नदी को अपना अधिकांश पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से मिलता है। यहां एक समारोह के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए, सरमा ने कहा कि पिछले समाह शुरू हुए इस विशाल बांध के वास्तविक प्रभाव के बारे में अभी ठीक से जानकारी नहीं है क्योंकि इसे लेकर अलग-अलग धारणाएँ बनाई जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र

सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी।

चीन ने पिछले शनिवार को अरुणाचल प्रदेश में भारतीय सीमा के पास ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाले एक विशाल जलविद्युत बांध का औपचारिक निर्माण शुरू कर दिया है, जिसे तिब्बत में यारलुंग जंगबो के नाम से जाना जाता है। इस परियोजना में पाँच जलप्रपात जलविद्युत स्टेशन शामिल हैं, जिसने भारत और बांग्लादेश जैसे निचले इलाकों के देशों में जल सुरक्षा और पारिस्थितिक प्रभावों को लेकर चिंताएँ पैदा कर दी हैं।

सरमा ने यहां एक समारोह से इतर



संवाददाताओं से कहा कि पिछले समाह शुरू हुए इस विशाल बांध से वास्तव में क्या प्रभाव पड़ेगा, फिलहाल इसकी ठोस जानकारी नहीं

है क्योंकि अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी।

सरमा ने यहां संवाददाताओं से कहा, “मैं फिलहाल चिंतित नहीं हूँ क्योंकि ब्रह्मपुत्र एक विशाल नदी है और यह किसी एक स्रोत (पानी) पर निर्भर नहीं है।” बांध के कारण असम में नदी के निचले क्षेत्र पर संभावित प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि यह सकारात्मक रहेगा या नकारात्मक। उन्होंने कहा, “ब्रह्मपुत्र को अपना अधिकांश पानी भूटान, अरुणाचल प्रदेश और हमारे राज्य से वर्षा जल और अन्य जल स्रोतों से

मिलता है।”

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन द्वारा बांध के संबंध में दो वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। उन्होंने कहा, “पहला – अगर चीन ब्रह्मपुत्र के प्रवाह को बाधित करता है तो पानी कम हो सकता है और परिणामस्वरूप जैव विविधता प्रभावित होगी। लेकिन एक विपरीत पहलू यह भी है कि अगर कम पानी आएगा तो बाढ़ की आशंका भी कम हो जाएगी। इसलिए, मुझे नहीं पता कि कौन सा (दृष्टिकोण) सही है।” शर्मा ने कहा कि इस विषय पर केंद्र बेहतर निर्णय ले सकता है और वही इस पर निर्णय लेगा। उन्होंने कहा, “मुझे यकीन है कि वे (केंद्र) पहले से ही चीन के साथ चर्चा कर रहे होंगे।

भारतीय वायुसेना 23 से 25 जुलाई तक राजस्थान में करेगी बड़ा अभ्यास



नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

भारतीय वायु सेना 23 से 25 जुलाई के बीच राजस्थान में बाड़मेर से जोधपुर तक एक बड़ा सैन्य अभ्यास करने वाली है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, राजस्थान सीमा से लगे क्षेत्र में एक नोटम (वायुसैनिकों को सूचना) जारी किया गया है। गौरतलब है कि नोटम एक आधिकारिक अधिसूचना है जो

पायलटों और हवाई यातायात नियंत्रकों को हवाई क्षेत्र के उपयोग में अस्थायी परिवर्तनों या खतरों के बारे में सूचित करने के लिए जारी की जाती है। ये सूचनाएँ उड़ान सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये कर्मियों को बंद रनवे, हवाई क्षेत्र प्रतिबंधों या नेविगेशनल सहायता में खराबी जैसे संभावित जोखिमों के प्रति सचेत करती हैं।

गिरगांव स्थित इस्कॉन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी, मामला दर्ज



मुंबई, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

मुंबई के गिरगांव इलाके में स्थित इस्कॉन मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी मिली है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि अगर 16 घंटे के भीतर कुछ माँगें पूरी नहीं की गईं तो परिसर को पाँच आरडीएक्स बमों से उड़ा दिया जाएगा। यह मंदिर शहर के एक प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र चौपाटी के पास स्थित है। यह धमकी इमैनुएलसेकरन नाम की आईडी से एक ईमेल के ज़रिए भेजी गई थी। ईमेल में,

कथित तौर पर भेजने वाले ने तमिलनाडु की डीएमके सरकार से तमिलनाडु स्थित एक पुलिस संगठन के नेता, दिवंगत नैनार दास की सिफारिशों को लागू करने की माँग की थी। ईमेल में चेतावनी दी गई थी कि ऐसा न करने पर मंदिर को निशाना बनाकर विस्फोट किया जाएगा।

धमकी के बाद, मुंबई पुलिस ने तुरंत इलाके में कड़ी निगरानी कर दी और केंद्रीय व राज्य सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। गिरगांव के गामदेवी

पुलिस स्टेशन में एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और जाँच जारी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पहले भी इसी तरह के धमकी भरे ईमेल मिले हैं, जिनका पैटर्न एक जैसा है। हालाँकि, जाँच के दौरान अब तक कोई विश्वसनीय सबूत या संदिग्ध गतिविधि नहीं मिली है। अधिकारी इस मामले को गंभीरता से ले रहे हैं और मानक सत्यापन और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन जारी रखे हुए हैं।

स्कूलों में सुरक्षा के होंगे पुख्ता इंतजाम

सीबीएसई ने दिए ऑडियो-विजुअल सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने सोमवार को अपने सभी संबद्ध स्कूलों को ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग क्षमता वाले उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्देश दिया। इस नए उपाय का उद्देश्य स्कूल परिसरों में सुरक्षा बढ़ाना है और छात्रों और कर्मचारियों दोनों के लिए अक्सर उपलब्ध रहने वाले विभिन्न क्षेत्रों को कवर करना है। सभी सीबीएसई-संबद्ध स्कूलों को अब एक सीसीटीवी प्रणाली लागू करनी होगी जो वास्तविक समय की ऑडियो-विजुअल निगरानी का समर्थन करती हो।

रिकॉर्डिंग को कम से कम 15



दिनों तक संग्रहीत किया जाना चाहिए और आवश्यकता पड़ने पर अधिकारियों द्वारा समीक्षा के लिए उपलब्ध रखा जाना चाहिए। कक्षाओं और सार्वजनिक क्षेत्रों में सीसीटीवी लगाना अनिवार्य है। स्कूल के सभी प्रवेश और निकास द्वारों, लॉबी, गलियारों, सीढ़ियों, कक्षाओं, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों, कैटीन,

स्टोररूम, खेल के मैदानों और अन्य साझा स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने चाहिए। शौचालय और वाशरूम इस आवश्यकता से बाहर हैं। निगरानी प्रणाली में ऐसे स्टोरेज उपकरण होने चाहिए जो कम से कम 15 दिनों की रिकॉर्ड की गई फुटेज को सुरक्षित रख सकें। बोर्ड ने स्कूलों को रिकॉर्डिंग

का बैकअप रखने और सिस्टम का नियमित रखरखाव करने का निर्देश दिया है। इसका उद्देश्य पूरे परिसर में व्यापक निगरानी सुनिश्चित करना और पहले से मौजूद सुरक्षा ढाँचे को मजबूत करना है। नवीनीकृत सुरक्षा उपाय राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) द्वारा जारी स्कूलों में बच्चों की सुरक्षा और संरक्षा संबंधी नियमावली के अनुरूप हैं। नियमावली के अनुसार, स्कूलों को एक ऐसा सुरक्षित वातावरण प्रदान करना चाहिए जो बच्चों को दुर्व्यवहार, हिंसा, प्राकृतिक या मानव निर्मित आपदाओं, आग के खतरों, परिवहन संबंधी समस्याओं और भावनात्मक आघात से बचाए। भावनात्मक सुरक्षा को चिंता

का विषय बताया गया है, खासकर बदमाशी के संदर्भ में। मार्गदर्शन में कहा गया है कि बदमाशी से छात्रों में आत्म-सम्मान में कमी और दीर्घकालिक तनाव हो सकता है, जिससे निवारक निगरानी और एक सहायक वातावरण अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाता है। सीबीएसई ने दोहराया है कि छात्रों की सुरक्षा सुनिश्चित करना प्रत्येक स्कूल की प्राथमिक ज़िम्मेदारी है। इसने सतर्क कर्मचारियों और तकनीक के उचित उपयोग द्वारा समर्थित एक सुरक्षित और सामंजस्यपूर्ण वातावरण बनाने के महत्व पर जोर दिया है। शिक्षकों, कर्मचारियों, आगंतुकों, ठेकेदारों और छात्रों, सभी से इस लक्ष्य में योगदान की अपेक्षा की जाती है।

उत्तरी आंध्र प्रदेश में निम्न दबाव के कारण भारी बारिश की चेतावनी, जरग-तूफान और बारिश का बनेगा कॉकटेल

विशाखापट्टणम, 21 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

24 जुलाई को उत्तरी बंगाल की खाड़ी के ऊपर बनने वाले संभावित निम्न दबाव के क्षेत्र के कारण उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश (एनसीएपी) के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हो सकती है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, एनसीएपी में तीन दिनों के बाद बारिश की तीव्रता बढ़ने की उम्मीद है। इस बीच, रविवार को आंध्र प्रदेश के कुछ हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश हुई है। यह चक्रवाती हवा पश्चिम मध्य और उससे सटे उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के दक्षिणी ओडिशा, उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यनम पर बनी हुई है। इसी समय, दक्षिण कर्नाटक से दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश (एससीएपी) तक एक ट्रोणिका रेखा गुजर रही है, जिससे बारिश हो रही है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग



(आईएमडी) ने सोमवार को आंध्र प्रदेश के अलग-अलग भागों में 21 से 27 जुलाई के बीच सात दिनों तक भारी बारिश का अनुमान जताया है। मौसम विभाग ने 21 जुलाई को दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश (एससीएपी) में भारी से बहुत भारी वर्षा और बिजली चमकने के साथ 50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएँ चलने का भी अनुमान व्यक्त किया

है।

अमरावती स्थित मौसम विज्ञान केंद्र की एक विज्ञप्ति में कहा गया है, “उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश (एनसीएपी), यनम, एससीएपी और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर बिजली चमकने और गरज के साथ बारिश होने की संभावना है।

पूर्वानुमान अवधि के दौरान सभी चार

क्षेत्रों में 40-50 किमी प्रति घंटे की गति से हवाएँ चलने की संभावना है, तटीय क्षेत्रों में इसकी गति और अधिक होने की उम्मीद है। विभाग ने कहा कि 22 से 25 जुलाई तक एनसीएपी, यनम, एससीएपी और रायलसीमा में भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है, जबकि कुछ स्थानों पर गरज के साथ बारिश होने समेत तेज हवाएँ चल सकती हैं।

26 और 27 जुलाई को एनसीएपी और यनम में अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है, साथ ही 26 जुलाई को एससीएपी और रायलसीमा में भी गरज के साथ बारिश होने का अनुमान है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि 24 जुलाई के आसपास बंगाल की खाड़ी के उत्तरी भाग में एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है, जिससे आने वाले दिनों में और अधिक वर्षा हो सकती है।

केरल के पूर्व सीएम अच्युतानंदन का निधन 101 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

तिरुवनंतपुरम, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री वीएस अच्युतानंदन का सोमवार को तिरुवनंतपुरम के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह 101 वर्ष के थे। वह 2006 से 2011 तक मुख्यमंत्री रहे। अच्युतानंदन 2019 में मामूली स्ट्रोक के बाद सार्वजनिक जीवन से दूर हो गए थे। उसके बाद से वे अपने बेटे वी. अरुण कुमार के तिरुवनंतपुरम स्थित आवास पर जीवन व्यतीत कर रहे थे। अनुभवी कम्युनिस्ट और स्वतंत्रता सेनानी केरल में कम्युनिस्ट आंदोलन के एक मजबूत प्रतीक थे और दशकों तक राज्य की राजनीति में



उनकी उपस्थिति बहुत मजबूत थी।

विपक्ष के एक जुझारू नेता के रूप में, अच्युतानंदन वंचितों और कठिन सार्वजनिक मुद्दों के लिए एक ध्वजवाहक थे, जिनमें पर्यावरण संरक्षण, लैंगिक समानता, आर्द्रभूमि संरक्षण, नर्सों के लिए बेहतर वेतन, ट्रांसजेंडर अधिकार और मुफ्त सॉफ्टवेयर शामिल थे। अच्युतानंदन ने 16 साल की उम्र में अलपुझा में सामंती

ज़मींदारों और औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लोकप्रिय विरोध में शामिल होकर अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की। उन्होंने कुट्टनाड में गिरमिटिया खेतिहर मज़दूरों और एस्पिनबॉल फैक्ट्री मज़दूरों को संगठित करके एक कार्यकर्ता और आंदोलनकारी के रूप में अपनी पहचान बनाई।

अच्युतानंदन 1946 में औपनिवेशिक सरकार के खिलाफ उग्र वामपंथी आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल थे, जिसकी परिणति प्रसिद्ध और दुर्घट पुत्रपरा-वायलार विद्रोह के रूप में हुई। वे भूमिगत हो गए, लेकिन उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस हिरासत में यातनाएँ दी गईं।

बाढ़ के पानी से सड़क पर जलजमाव नाराज ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद के मोरहर नदी में आई बाढ़ के कारण शकूराबाद-बभना सड़क मार्ग पर पानी चढ़ गया है, जिससे ग्रामीणों का आना-जाना पूरी तरह बाधित हो गया। इसी को लेकर सोमवार को शाहपुर गांव के पास ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगाकर घंटों प्रदर्शन किया।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले चार-पांच दिनों से सड़क पर जलजमाव बना हुआ है, जिससे बच्चों को स्कूल जाने और लोगों को बाजार आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है। प्रदर्शनकारियों ने ट्रैक्टर-ट्रालियों को सड़क पर खड़ा कर



आवागमन पूरी तरह रोक दिया और सरकार एवं प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंडूई गांव के पास बेलदारी बीघा गांव के कुछ लोगों ने निकासी की पर्जन को बंद कर दिया है, जिससे बाढ़ का पानी बहने के बजाय शाहपुर गांव के पास सड़क पर भर गया है। लगातार पानी भरे रहने से स्थिति और खराब होती जा रही है।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि

जल निकासी की समस्या को लेकर कई बार प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाई गई, लेकिन किसी ने सुनवाई नहीं की। मजबूरन आज उन्हें सड़क पर उतरकर प्रदर्शन करना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही शकूराबाद थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और ग्रामीणों को समझा-बुझाकर सड़क जाम हटवाया। जाम के कारण कई छोटे-बड़े वाहन घंटों तक फंसे रहे। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जल निकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे फिर से सड़क जाम जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे।

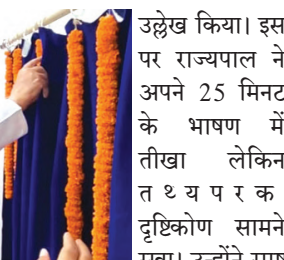
सीवान में राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का दौरा, अल्पसंख्यक विमर्श पर दिया बड़ा संदेश

सीवान (एजेंसियां)।

राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने रविवार को सीवान जिले का दौरा किया, जहां उन्होंने अहमद गनी नगर स्थित जेडए इस्लामिया स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव कार्यक्रम में शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय में नव-निर्मित विज्ञान भवन का उद्घाटन भी किया। समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसमें जयप्रकाश विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. प्रमोद कुमार बाजपेयी भी मौजूद



रहे। जेडए इस्लामिया कॉलेज, जेपी विश्वविद्यालय के अंतर्गत एकमात्र मुस्लिम अल्पसंख्यक महाविद्यालय है। इस कारण कार्यक्रम के दौरान कई वक्ताओं ने बार-बार ‘अल्पसंख्यक’ और ‘अकिलियत’ जैसे शब्दों का



उद्घोष किया। इस पर राज्यपाल ने अपने 25 मिनट के भाषण में तीखा लेकिन तथ्य पर कदम दृष्टिकोण सामने रखा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भारतीय संविधान और किसी भी कानून में ‘अल्पसंख्यक’ को कोई विशेष अधिकार नहीं दिया गया है। देश में सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं। हमें अपने अधिकारों को कृपा नहीं,

अधिकार की तरह स्वीकार करना चाहिए। राज्यपाल ने अपने भाषण को उर्दू और फारसी शायरी से भी सजाया और श्रोताओं से शिक्षा, आत्मसम्मान और सामाजिक एकता की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा कि समाज को जाति, धर्म या वर्ग के नाम पर बांटने का परिणाम हमेशा नुकसानदेह रहा है। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हम पहले ही जातिगत और

सांप्रदायिक विभाजन की भारी कीमत चुका चुके हैं।

अब समय है एक ऐसी चेतना की शुरुआत का, जिसमें हम विविधताओं को सम्मान दें, न कि विभाजन का माध्यम बनाएं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, शिक्षक, अभिभावक और शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे। कॉलेज प्रशासन और छात्रों ने राज्यपाल के विचारों की सराहना की और इसे सामाजिक समरसता और शैक्षणिक चेतना की दिशा में एक सकारात्मक पहल बताया।



अलीगढ़ में धर्मांतरण का जाल 97 महिलाएं लापता

अलीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में भी अवैध धर्मांतरण गिरोह के नेटवर्क का खुलासा हुआ है। गिरोह के झांसे में आई करीब 97 महिलाओं का पता नहीं चल पा रहा है। ये महिलाएं लापता हैं। खुफिया एजेंसियां और यूपी पुलिस की विशेष टीमें जांच में जुटी हुई हैं।

इसका खुलासा पुलिस को उमर गौतम नाम के शख्स की गिरफ्तारी से हुई है। यहा का सरगना उमर गौतम ही था जिसने छांगुर बाबा की तरह पूरा नेटवर्क फैला रखा था। मार्च 2025 में 23 साल और 18 साल की दो सगी बहनें लापता हो गई थी। पुलिस इन्हें ढूंढ़ रही थी। सोशल मीडिया पर अचानक एक बहन एक-47 के साथ नजर आई। इसके बाद पुलिस के कान खड़े हो गए। दोनों बहनों को अवैध तरीके से धर्मांतरण कराकर कोलकाता के एक मुस्लिम बहुल इलाके में रखा गया था। यहां से दोनों को विदेश भेजने की तैयारी थी। उमर गौतम की गिरफ्तारी के बाद पता चला है कि 2018 में 33 महिलाओं का धर्मांतरण कराया गया था, जिसमें 3 अलीगढ़ की थीं। लेकिन ये नेटवर्क धीरे-धीरे महिलाओं और युवतियों को अपने झांसे में लेने लगा। यही वजह है कि जनवरी से अब तक 97 महिलाएं लापता



हैं जिनमें से 17 लड़कियां कम उम्र की (टीनएजर्स) हैं। पुलिस जांच में ये बात सामने आई है कि गैंग सोशल मीडिया, मोबाइल ऐप, डार्क वेब और दूसरे तरीके से महिलाओं से संपर्क करता था। उन्हें अपने प्रेम जाल में फंसाता था और फिर धर्मांतरण के लिए दबाव डालता था। इस नेटवर्क का संचालन इतना गुपचुप तरीके से होता था कि पुलिस को इतने साल में भनक तक नहीं लगी। गैंग के तार पीएफआई, सिमी, लश्कर ए तैयबा से जुड़े होने के संकेत मिले हैं। इसकी फंडिंग अमेरिका, कनाडा, इंग्लैंड, यूएई जैसे देशों से हो रही थी। यूपी पुलिस महानिदेशक राजीव कृष्ण के मुताबिक इस गैंग ने सैकड़ों लोगों को धर्मांतरण करवाया। गैंग में ओड़ीशा की एसबी कृष्णा उर्फ आयशा, कोलकाता का शेखर राय उर्फ अली हसन, जयपुर का

मोहम्मद अली समेत कई लोग शामिल हैं। इन लोगों को 6 अलग अलग राज्यों से गिरफ्तार किया गया है। सीएम योगी ने अवैध धर्मांतरण के खिलाफ मिशन अस्मिता चलाने का निर्देश दिया है। इसके तहत आगरा पुलिस ने 6 टीमें गठित की हैं। इसके अलावा सोशल मीडिया पर भी खासा नजर रखा जा रहा है। यह पता चला है कि अवैध धर्मांतरण करा कर भारत को इस्लामिक राष्ट्र बनाने की मुहिम चलाई जा रही है। सोशल मीडिया पर ये लोग मूर्ति पूजा और हिन्दू देवी-देवताओं का अपमान करते हैं। ये लोग उन मंदिरों का जिक्र भी करते हैं जिसे मुस्लिम आक्रांताओं ने तोड़ा था। ये लोग हिंदू धर्म के पूजा पद्धति और रीति-रिवाजों का विरोध करते हैं और आपत्तिजनक बयान देते हैं। इस मामले में पुलिस के रडार पर

करीब 50 लोग हैं। इनके सोशल मीडिया, मोबाइल और दूसरे अकाउंट की पुलिस जाँच कर रही है। इसमें भारत के लोगों के मन में जहर धोलने की पुष्टि हुई है।

पुलिस को गोवा की आयशा को कनाडा के सैय्यद दाऊद द्वारा फंडिंग के सबूत मिले। पुलिस को कई वीडियो मिले हैं जिसमें देश विरोधी बातें कही गई हैं। यहां तक की पीएम मोदी के मंदिर जाने के वीडियो के साथ तुरंत ताजमहल दिखता है और पीछे से आवाज आती है कि ये तरीख है इस्लाम से रिश्ते जोड़ने होंगे। बहुत बन चुके सोमनाथ अब तोड़ने होंगे।

पुलिस ने बताया कि गिरोह का नेटवर्क न सिर्फ अलीगढ़ बल्कि प्रदेश के कई हिस्सों में फैला हुआ था, और इसके तार विदेशों से भी जुड़े होने की आशंका है। इस गिरोह का काम करने का तरीका बेहद सुनियोजित था। अलग-अलग मॉड्यूल बनाए गए थे: एक ग्रुप फंडिंग जुटाता, दूसरा लोगों को कटुपंथ की ओर धकेलता, और तीसरा उन्हें छिपाने की व्यवस्था करता। गिरोह में शामिल लोग फंडिंग, सुरक्षित ठिकाने, कानूनी सलाह और नई सिम कार्ड जैसी सुविधाएं मुहैया कराते थे। खासकर गरीब और कमजोर तबके की महिलाओं को निशाना बनाया जाता था। कुछ मामलों में

महिलाओं को डराने-धमकाने और शारीरिक शोषण का भी सहारा लिया गया।

उत्तर प्रदेश पुलिस ने इस मामले में तेजी दिखाते हुए छह राज्यों राजस्थान, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, गोवा, उत्तराखंड और दिल्ली से 10 लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें से कुछ लोग फंडिंग का इंतजाम करते थे, तो कुछ ब्रेनवॉश करने में माहिर थे। यूपी पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) और एंटी-टेरर स्कॉड (एटीएस) इस जांच में शामिल हैं। खुफिया एजेंसियां भी इस नेटवर्क के विदेशी कनेक्शन, खासकर अमेरिका और कनाडा से आने वाली फंडिंग की जांच कर रही हैं।

इस नेटवर्क में छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन का नाम भी सामने आया है, जिसे पहले ही एटीएस ने गिरफ्तार किया था। छांगुर ने लखनऊ में भी धर्मांतरण का एक अड्डा बना रखा था। उसकी सहयोगी नीतू उर्फ नसरीन के साथ पृछताछ में कई अहम खुलासे हुए। यह गिरोह 15 साल से ज्यादा समय से सक्रिय था और हनी-ट्रैपिंग, प्रशासनिक दबाव और नाबालीगणों को निशाना बनाने जैसे हथकंडे अपनाता था। लापता 97 महिलाओं के परिवार सदस्य हैं। कुछ महिलाओं ने धर्मांतरण के बाद धमकियां मिलने की शिकायत की है।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का बड़ा निर्णय

पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को मिलेगा भूमि स्वामित्व

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) से विस्थापित होकर राज्य के विभिन्न जिलों में बसाए गए परिवारों को विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार देने की दिशा में ठोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल भूमि के हस्तांतरण का मामला नहीं है, बल्कि उन हजारों परिवारों के जीवन संघर्ष को सम्मान देने का अवसर है, जिन्होंने देश की सीमाओं के उस पार से भारत में शरण ली और दशकों से पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि इन परिवारों के साथ संवेदना के साथ-साथ यथोचित सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाए। यह शासन की नैतिक जिम्मेदारी है।

अधिकारियों ने बताया कि विभाजन के पश्चात 1960 से 1975 के बीच पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए हजारों परिवारों को उत्तर प्रदेश के पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर और रामपुर जनपदों में पुनर्वासित किया गया था। प्रारंभिक वर्षों में इन परिवारों को ट्रांजिट कैंपों के माध्यम से विभिन्न गांवों में बसाया गया और भूमि आवंटन भी किया गया, किंतु कानूनी और अभिलेखीय विसंगतियों के चलते अधिकांश को आज तक वैध भूमिपत्री अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं।

मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया कि जनपद पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बिजनौर सहित कई जिलों में पूर्वी पाकिस्तान से विस्थापित होकर आए परिवारों को वर्षों पूर्व बसाया गया था और उन्हें कृषि भूमि भी आवंटित की गई थी। हालांकि, समय के साथ अभिलेखीय त्रुटियाँ, भूमि का वन विभाग के नाम दर्ज होना,



नामांतरण की प्रक्रिया लंबित रहना अथवा भूमि पर वास्तविक कब्जा न होने जैसी कई प्रशासनिक व कानूनी जटिलताओं के चलते इन परिवारों को अब तक विधिसम्मत भूस्वामित्व अधिकार प्राप्त नहीं हो सके हैं। कुछ स्थानों पर अन्य राज्यों से आए विस्थापित भी बसाए गए हैं, जो आज भी भूमि स्वामित्व से वंचित हैं।

अद्यतन स्थिति के अनुसार, एक ओर जहां कई गांवों में वर्षों से खेती कर रहे परिवारों ने भूमि पर स्थायी आवास बना लिए हैं, वहीं राजस्व अभिलेखों में उनके नाम आज भी दर्ज नहीं हैं। दूसरी ओर, कुछ ग्रामों में वास्तव में आज भी उन परिवारों का कोई अस्तित्व नहीं है, जिन्हें पहले वहां बसाया गया था। कई परिवारों ने बिना कानूनी प्रक्रिया अपनाए भूमि पर कब्जा किया है, जिससे समस्या हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिन मामलों में पूर्व में भूमि का आवंटन गर्वनमेंट ग्रांट एक्ट के तहत हुआ था, उन्हें ध्यान में रखते हुए वर्तमान विधिक ढांचे में नए विकल्प तलाशे जाएं, क्योंकि यह अधिनियम 2018 में निरस्त किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संवेद-नशील प्रयास दशकों से उपेक्षित विस्थापित परिवारों के लिए एक नई उम्मीद और गरिमापूर्ण जीवन का द्वार खोलने वाला साबित हो सकता है। इसे केवल पुनर्वास नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, मानवता और राष्ट्रीय जिम्मेदारी के रूप में देखना चाहिए।

संभल जामा मस्जिद नहीं, हरिहर मंदिर है

सुनवाई होगी पांच अगस्त को

संभल, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

संभल की जामा मस्जिद को हरिहर मंदिर बताते हुए दाखिल किए गए वाद की सुनवाई अब पांच अगस्त को होगी। वकीलों की हड़ताल होने के कारण सोमवार को सुनवाई नहीं हो पाई। संभल की शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर दायर वाद में सोमवार को चंदौसी स्थित सिविल जज सीनियर डिवीजन आदित्य कुमार सिंह के न्यायालय में सुनवाई हुई। अधिवक्ताओं की हड़ताल के कारण सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायालय ने सुनवाई के लिए अगली तारीख पांच अगस्त नियत की है।



मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी। हालांकि उच्च न्यायालय ने 19 मई को ट्रायल कोर्ट के सर्वे कमीशन के आदेश को सही ठहराते हुए निचली अदालत में सुनवाई पर लगी रोक हटा दी है। संभल में 19 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे को लेकर कैला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी, अधिवक्ता हरिशंकर जैन समेत आठ लोगों ने सिविल जज सीनियर डिवीजन जज संभल स्थित चंदौसी आदित्य कुमार सिंह के न्यायालय में वाद दायर

किया था। 21 जुलाई दिन सोमवार को सुनवाई होनी थी।

वादी पक्ष से केला देवी मंदिर के महंत ऋषिराज गिरी समेत दोनों पक्षों से लोग न्यायालय पहुंच गए। जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी के अधिवक्ता शकील अहमद वारसी ने बताया कि सावन के दूसरे सोमवार और एक अधिवक्ता के आकस्मिक निधन होने पर अधिवक्ता हड़ताल पर रहे। जिससे सुनवाई नहीं हो सकी। न्यायालय ने मुकदमे की सुनवाई के लिए अगली तारीख पांच अगस्त नियत कर दी है। संभल की शादी जामा मस्जिद के हरिहर मंदिर होने के दावे के मामले दायर किए गए मुकदमे में पक्षकार बनने के लिए गाजियाबाद के सिमरन गुप्ता ने सिविल जज सीनियर डिवीजन जनपद संभल स्थित चंदौसी आदित्य कुमार सिंह के न्यायालय में प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें उनका कहना है कि हम सनातनी हैं हमें भी उक्त मुकदमे में पक्षकार बनाया जाए।

न्यायालय ने वादी व प्रतिवादी पक्ष से आपत्ति मांगी है। इस मामले में प्रतिवादी पक्ष ने पहले ही आपत्ति दाखिल कर दी है। एसएसआई और भारत सरकार के अधिवक्ता विष्णु कुमार शर्मा ने बताया कि सोमवार को वादी पक्ष ने भी आपत्ति दाखिल की गई। इस पर अब सुनवाई पांच अगस्त को होगी।

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

बिजली निगम बिजली चोरों से 186.93 करोड़ रुपए की वसूली करने में नाकाम रहा है। अब बिजली की दरें बढ़ाकर ईमानदार उपभोक्ताओं से चोरी की भरपाई की जाएगी। बिजली निगम ने विद्युत नियामक आयोग को बिजली दरों में बढ़ोतरी का प्रस्ताव सौंपा है। इस पर सोमवार को जनसुनवाई हुई। प्रस्ताव में घाटे का हवाला देते हुए दरें बढ़ाने की मांग की गई है। खास ये है कि राजधानी में एक अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 के बीच 191.75 करोड़ की बिजली चोरी पकड़ी गई। इसमें से मात्र 5.82 करोड़ रुपए ही वसूले गए हैं। बिजली चोरों से 186.93 करोड़ वसूलने में नाकाम बिजली निगम अब ईमानदार उपभोक्ताओं पर बिजली दरों का बोझ बढ़ाकर भरपाई

करना चाहता है।

आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अमौसी, लखनऊ मध्य, जानकीपुरम और गोमतीनगर जोन में बिजली निगम की टीमों ने 8,992 बिजली चोरी के मामलों का भंडाफोड़ किया। इन सभी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई और कुल चोरी की गई बिजली के एवज में 191.75 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया गया।

बिजली चोरों से वसूली के लिए जिम्मेदार जेई, एसडीओ, एक्सईएन कितने संजीदा थे, इसका अंदाज वसूली की रकम से लगाया जा सकता है। अब तक अफसर मात्र 5.82 करोड़ रुपए ही वसूल सके हैं, जो कुल रकम को मात्र तीन प्रतिशत है। वसूली में असफलता के लिए सीधे तौर पर स्थानीय जेई, एसडीओ और एक्सईएन

अभियंता संघ ने किया विरोध प्रदर्शन

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम में बिजली की दरों को तय करने के लिए सोमवार को नियामक आयोग में सुनवाई हुई। इस दौरान बाहर अभियंता संघ ने विरोध प्रदर्शन किया। सभी पक्षों की बात सुनने के बाद नियामक आयोग के अध्यक्ष ने कहा कि इस पर जल्द ही फैसला लिया जाएगा। अब 25 जुलाई को सलाहकार समिति की बैठक होगी। इस बैठक के बाद बिजली दर निर्धारण की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। उम्मीद है कि अगस्त के पहले सप्ताह में बिजली दरें घोषित कर दी जाएगी।

जिम्मेदार हैं। इस मामले में विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे कहते हैं कि जब घाटा बिजली चोरी और कर्मचारियों की लापरवाही से हो रहा है, तो उसकी भरपाई हर महीने बिल चुकाने वाले ईमानदार उपभोक्ताओं से क्यों की जा रही है? उपभोक्ता पहले से ही बिजली की महंगी कीमत चुका रहे हैं। बिजली दरों में बढ़ोतरी कहीं से तर्कसंगत नहीं। सच ये

है कि निगम निजी कंपनियों को फायदा पहुंचाने के लिए ही बिजली दरों को बढ़ाने पर आमादा है।

बिजली दरों में बढ़ोतरी के विरोधी और उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि प्रबंधन बिजली चोरों को उनके जुर्माना पर 65 प्रतिशत की छूट देकर खुद बिजली चोरी को बढ़ावा दे चुका, जिससे घाटा हो रहा है। इस घाटे की भरपाई

के लिए आम उपभोक्ता की बिजली किसी भी हालत में महंगी नहीं होने देंगे। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा के अनुसार राजधानी में एक साल में 191.75 करोड़ की बिजली चोरी पकड़ी गई। प्रदेश में 75 जिले हैं, यदि लखनऊ में इतनी चोरी है तो पूरे प्रदेश का आंकड़ा हजारों करोड़ तक हो सकता है। बिजली निगम अब तक यह स्पष्ट नहीं कर पाया है कि कितनी वसूली हुई है और वसूली में फेल साबित हुए अफसरों व इंजीनियरों पर क्या जवाबदेही तय की गई।

लखनऊ की 50 लाख आबादी में 14.5 लाख कनेक्शनधारक हैं, जिनमें से करीब 20% उपभोक्ता मीटर में गड़बड़ी कर बिजली चोरी कर रहे हैं। अनुमान है कि शहर में एक लाख से अधिक जगहों पर बिजली चोरी हो रही है।

नवोदय विद्यालय के 150 छात्र हॉस्टल में हुए बंद

प्रधानाचार्य पर लगाए गंभीर आरोप

लखीमपुर खीरी, 21 जुलाई (एजेंसियां)। लखीमपुर खीरी जिले में मिर्तौली कस्बा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय के करीब 150 छात्रों ने सोमवार को खुद को हॉस्टल में बंद कर लिया। हॉस्टल का मेन गेट भी अंदर से बंद कर दिया। छात्रों ने प्रधानाचार्य पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है। लखीमपुर खीरी के मिर्तौली कस्बा स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में करीब 150 छात्रों ने सोमवार को विद्यालय प्रबंधन पर गंभीर आरोप लगाते हुए खुद को हॉस्टल के कमरों में बंद कर लिया, जिससे जिला प्रशासन तक खलबली मच गई। सूचना मिलते ही तहसील स्तरीय अधिकारी मौके पर पहुंच गए। शाम पांच बजे तक छात्र हॉस्टल से बाहर नहीं निकले थे। अधिकांरी बच्चों को समझाने का प्रयास कर रहे थे। छात्रों ने मांगें पूरी न होने पर खुदकुशी करने की धमकी दी। कमरों में बंद छात्रों ने वीडियो भेजे हैं। इससे मामला और गंभीर हो गया है। पुलिस भी मौके पर मौजूद है।

सोमवार की सुबह जवाहर नवोदय विद्यालय में सीनियर हॉस्टल के छात्र अपनी मांगों को लेकर हड़ताल करने लगे। उनका आरोप है कि विद्यालय के प्रधानाचार्य द्वारा बच्चों के प्रति गलत रवैया अपनाया जा रहा है। छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता है, जिससे हॉस्टल व परिसर में भय का माहौल है। छात्रों ने कई और गंभीर आरोप लगाते हुए अपने आप को कमरों में कैद कर लिया।

पीएसी जवानों को मिला अत्याधुनिक सुविधाओं वाला भवन

26वीं वाहिनी पीएसी के लिए बना 11 मंजिला बैरक टावर तैयार

गोरखपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

कानून व्यवस्था मजबूत बनाए रखने में पीएसी (प्रोविशियल आर्म्ड कॉन्स्टेबुलरी) के योगदान से सभी वाकिफ हैं। अधिकारी बच्चों को समझाने योगी आदित्यनाथ पीएसी के जवानों की लॉ एंड ऑर्डर में महत्वपूर्ण भूमिका की कई मंचों से सराहना कर चुके हैं। पीएसी के जवानों को अत्याधुनिक सुविधा देने के लिए योगी सरकार इंफ्रास्ट्रक्चर पर खासा जोर दे रही है। इसी सिलसिले में गोरखपुर में स्थित 26वीं वाहिनी पीएसी परिसर में जवानों के लिए 200 की क्षमता का अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुमंजिला बैरक बनकर तैयार हो गया है। जल्द ही इसका लोकार्पण मुख्यमंत्री योगी



आदित्यनाथ के हाथों होने की उम्मीद है।

26वीं वाहिनी पीएसी में 11 मंजिला बैरक टावर बनाने के लिए 11 करोड़ 67 लाख रुपए की लागत स्वीकृत की गई थी। अब यह टावर बनकर तैयार है। टावर के भूमि तल

पर डायनिंग हाल, लॉबी किचन, बरामदा, टॉयलेट, दो लिफ्ट, दो स्टेयरकेस का निर्माण कराया गया है। टावर के प्रथम तल पर डायनिंग हाल, ओपेन रैंस, लॉबी, रिक्रिएशन हाल, टॉयलेट, लिफ्ट, स्टेयरकेस निर्मित है। जबकि द्वितीय तल से 11 वें तल तक प्रत्येक फ्लोर पर चार कमरे बनवाए गए हैं। हर कमरा पांच जवानों की क्षमता का है। इसके अलावा चार टॉयलेट, लिफ्ट और स्टेयरकेस का निर्माण हुआ है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा बनाए गए इस बैरक टावर में रेन वाटर हार्वेस्टिंग, आरसीसी टैंक, सेप्टिक टैंक, विद्युत आपूर्ति हेतु डीजी सेट, फायर सेफ्टी आदि की भी व्यवस्था की गई है। इसका निर्माण कार्य पूर्ण होने के बाद अब इसके लोकार्पण की तैयारी की जा रही है। बहु मंजिला बैरक टावर बन जाने से अब पीएसी जवानों को रहने में काफी सुविधा हो जाएगी।

छोटी नदियां पुनर्जीवित होकर रोजगार का साधन बनीं

लखनऊ, 21 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में नदियों के पुनर्जीवन और जल संरक्षण को लेकर अभूतपूर्व कार्य किए जा रहे हैं। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के तहत न सिर्फ छोटी नदियों का कायाकल्प हो रहा है, बल्कि इस कार्य से ग्रामीणों को भरपूर रोजगार भी मिला है। जल संरक्षण और रोजगार सृजन को समर्पित इस अभियान से गांव-गांव में खुशहाली आ रही है। नदी पुनरुद्धार कार्यों के माध्यम से प्रदेश में अब तक करीब एक करोड़ मानव कार्य दिवस के रोजगार सृजित किए गए हैं। इससे न केवल श्रमिकों को आजीविका मिली, बल्कि जल संसाधनों की भी व्यापक स्तर पर संरक्षण हो रहा है। यह प्रयास ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक मजबूती का कारण बन रहा है। राज्य स्वच्छ गंगा मिशन उत्तर प्रदेश के परियोजना निदेशक प्रभाष कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप प्रत्येक जिले में एक नदी को पुनर्जीवित किया जा रहा है। यह कार्य मंडल स्तर पर मंडलायुक्त की अगुवाई में जिला गंगा समितियों तथा अन्य विभागों-मन्रेगा, सिंचाई, लघु सिंचाई आदि के सहयोग से संचालित हो रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर भी जनभागीदारी सुनिश्चित हो रही है।

राज्य स्वच्छ गंगा मिशन के अंतर्गत अब तक लगभग 2000 जल संरक्षण कार्य सफलतापूर्वक संपन्न किए गए हैं। इनमें तालाबों की खुदाई, जल निकायों का गहरीकरण, नालों की सफाई और जल संचयन संरचनाओं के निर्माण प्रमुख हैं।

संपादकीय

अंतरिक्ष से लौटा ‘लाल’

वे कितने अद्भुत, अव्यक्त, बेहद भावुक और भयभीत पल थे, जब शुभांशु शुक्ला और उनके तीन सहयात्री अंतरिक्ष से पृथ्वी की ओर लौट रहे थे। बीच में कुछ मिनट का ऐसा फासला आता है, जब सब कुछ ‘शून्य’ होता है। कोई संचार और संवाद नहीं। बाहर का तापमान 1600-1700 डिग्री सेल्सियस। अंतरिक्ष और धरती के वायुमंडल के बीच की कशमकश...। जीवन और मौत के बीच के वे क्षण...! उस सन्नाटे और आग के बड़े गोले को पार कर जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते हैं, तो उससे बड़ी जीत और बेपनाह खुशी का एहसास और क्या हो सकता है ! शुभांशु की मां ने भावुकता में ठीक ही कहा है कि उनका बेटा दूसरा जन्म लेकर लौटा है। बहरहाल ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला सर्वप्रथम भारतीय अंतरिक्ष यात्री हैं, जो अंतरिक्ष स्टेशन के भीतर गए और 18 सफल दिनों का अपना मिशन संपन्न कर लौटे हैं। बेशक उनसे पहले 1984 में राकेश शर्मा अंतरिक्ष में जाने वाले प्रथम भारतीय थे, लेकिन उनका दल पृथ्वी के ही चक्कर काटता रहा। अंतरिक्ष स्टेशन की तब व्यवस्था नहीं थी। इस बार शुभांशु और उनके साथी अंतरिक्ष यात्रियों ने पृथ्वी के 322 फेरे लगाए और अंतरिक्ष स्टेशन की गति 28,000 किमी प्रति घंटा रही। कुल यात्रा करीब 1.40 करोड़ किमी की रही। यह यात्रा इतनी ब्रह्मांडीय थी कि एक यात्री चंद्रमा पर 35 बार आ-जा सकता था। यकीनन यह अकल्पनीय कीर्तिमान है और नया इतिहास है। इस अंतरिक्ष मिशन ने शुभांशु शुक्ला को ‘अवतारी पुरुष’ बना दिया है। अंतरिक्ष में जब भी मानव-जीवन संभव होगा या वनस्पतियां उगने लगीं। ऑक्सीजन का पर्यावरण होगा और जल के स्रोत मिल जाएंगे, तब पीढियां उन अकल्प साहसी और सुदृढ़ मानसिक शक्ति वाले चेहरों को याद करेंगी, जिन्होंने अंतरिक्ष में आकर जीवनोपयोगी स्थितियों को बुनियाद रखी। शुभांशु ने अंतरिक्ष में 7 अति महत्वपूर्ण, वैश्वकीमती प्रयोग किए, हालांकि पूरी टीम को 60 प्रयोग करने थे। ‘भारत के लाल’ ने मैथी और मुंग के बीजों को अंकुरित किया, जो अंतरिक्ष में पोषण और खाद्य सुरक्षा की दिशा में ‘भोजन’ साबित हो सकते हैं। अंतरिक्ष में सूक्ष्म जीवों के जीवन, पुनर्जीवन, प्रजनन और जिन परिवर्तनों पर प्रयोग किया। अंतरिक्ष में बीजों की वृद्धि और प्रतिक्रिया का भी अध्ययन किया। भविष्य में अंतरिक्ष मिशन के लिए ऑक्सीजन, बाँयोस्पूल के स्रोत के तौर पर माइक्रोएल्गी का भी अध्ययन किया गया। अंतरिक्ष उड़ान के दौरान आंखों की गति और समन्वय पर असर को समझने का प्रयोग किया। दिमाग के रक्त-प्रवाह पर फोकस किया गया, जिससे सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण और उच्च स्तर की कार्बन डाइऑक्साइड के असर को जानने का प्रयास किया गया। अंतरिक्ष में मानव मांसपेशियों, हड्डियों पर अंतरिक्ष के प्रभावों की भी जांच की गई। यह अंतरिक्ष यात्रियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चूंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण नगण्य होता है, लिहाजा यात्री की मांसपेशियां और हड्डियां कमजोर हो जाती हैं। लौटने पर वह अपने पांव पर खड़ा होने और चलने में असमर्थ-सा रहता है। यह यात्रा 18 दिन की ही थी, लिहाजा यात्रियों पर इतने गहरे प्रभाव न पड़े हों, लेकिन फिर भी उनका पुनर्वास किया जा रहा है। उनकी पूरी तरह मेडिकल जांच होगी, इलाज किए जाएंगे, ताकि वे नए सिरे से पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण के अनुसार ढल सकें। अंतरिक्ष टीम ने ‘एक्वायर्ड इक्विबेलेंस टेस्ट’ नामक एक मानसिक प्रयोग में भी भाग लिया, जो अंतरिक्ष में रहने की क्षमता को मापता है। यकीनन शुभांशु के जरिए यह भारत की ‘अपवादीय उपलब्धि’ है। अंतरिक्ष विज्ञान का जो भारतीय इतिहास लिखा जा रहा है, यह यात्रा उसका प्रथम अध्याय है, लिहाजा अभी बहुत दूर जाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा है कि शुभांशु के इस मिशन ने एक अरब सपनों को प्रेरणा दी है। बेशक यह भारत के मानव अंतरिक्ष मिशन ‘गगनयान’ की दिशा में ‘मील का पत्थर’ है। शुभांशु के अनुभव और प्रयोगों से बहुत मदद मिलेगी।

कृष्ण अलगा

अधूरा जवाब

अधूरा

जवाब पेट्रोलियम एवं प्रावृतिक गैस मंत्री हरदीप पुरी ने बृहस्पतिवार को हाइड्रोकार्बन महानिदेशालय द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन के दौरान अपने संबोधन में तो टुक कहा कि रूस से कच्चे तेल की आपूर्ति पर अमेरिकी प्रतिबंधों की धमकी को भारत गंभीरता से लेता ही नहीं। उल्लेखनीय है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी देते हुए कहा था कि भारत सहित जो देश रूस से कच्चा तेल खरीदते हैं उनके खिलाफ वह ज्यादा टैरिफ लगा देगे जिसे दूसरे शब्दों में अमेरिका प्रतिबंध की धमकी देता है। पेट्रोलियम मंत्री पुरी ने स्पष्ट करते हुए कि भारत के लिए कच्चे तेल का टोटा नहीं है। भारत पहले 27 देशों से कच्चा तेल खरीदता था तब वह रूस से अपने वुल आयातित तेल का 2 प्रतिशत मात्र कच्चा तेल आयात करता था। आज स्थिति बदल गई है। भारत वुल 40 देशों से तेल खरीदता है।रही बात रूस से तेल आयात करने की तो फरवरी 2022 में रूस यूक्रेन युद्ध के बाद जब यूरोपीय देशों ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया तो भारत ने रूस से 40 प्रतिशत तेल खरीदना शुरू कर दिया। कहने का मतलब यह है कि हरदीप पुरी ने यह स्पष्ट किया कि यदि भारत ने अमेरिकी टैरिफ टेरर से बचने के लिए रूस से कच्चा तेल आयात करना बंद कर भी दिया तो देश की ऊर्जा व्यवस्था को कोई क्षति नहीं होगी।

दृष्टि कोण

मनोविज्ञान से जुड़ी अनेक रिपोट्स बता रही हैं कि पारिवारिक परेशानियों के कारण देश में आत्महत्याओं की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह एक बड़ा सामाजिक सरोकार है। आइए, इस बिंदु को खंगालें और कुछ हल ढटोलें।हर दूसरे, तीसरे व्यक्ति में, पारिवारिक टेशन, यानी कि पारिवारिक तनाव आजकल उफान पर है, यह एक ज्वलंत सामाजिक चिंता का बिंदु है। इससे परिवार के सभी सदस्य प्रभावित हो जाते हैं। क्यों बढ़ रहे हैं आजकल पारिवारिक तनाव, यह अपने आप में एक बहुत बड़ा सामाजिक सरोकार है। पारिवारिक तनाव परिवार के किसी एक या ज्यादा सदस्य को होने वाला तनाव होता है। आजकल यह तनाव परिवार के सदस्यों के बीच के भावनात्मक संबंधों, मनोदशा, कल्याण और पारिवारिक संबंधों को प्रभावित कर रहा है, और परिवारों को बिखेर रहा है। यूं तो परिवार के सदस्यों के बीच में नोकझोंक होना आम बात है, परंतु यदि यह

मंगलवार,22 जुलाई, 2025

बेंगलूरु

उमेश चतुर्वेदी

भारतीय संविधान की प्रस्तावना में आपातकाल के दिनों जोड़े गए शब्दों ‘धर्मनिरपेक्ष’ और ‘समाजवादी’ को लेकर बहस हो रही है, ठीक उसी वक्त आई विश्व बैंक की रिपोर्ट ने भारतीय समाज को ज्यादा समतामूलक बताया है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत इस रैंकिंग में चोटी के चार देशों में शामिल हो गया है, जबकि दुनिया की नंबर एक और नंबर दो अर्थव्यवस्थाएं यानी अमेरिका और चीन उससे पीछे हो गए हैं। भारत से आगे स्लोवाक गणराज्य, स्लोवेनिया और बेलारूस हैं। दिलचस्प यह है कि जिस समय यह रिपोर्ट आई, ठीक उन्हीं दिनों ऑक्सफैम जैसी दूसरी एजेंसियों की ओर से आई रिपोर्टों के हवाले से भारत में बढ़ती आर्थिक आर्थिक असमानता को लेकर सवाल उठ रहे थे। ऐसे में विश्व बैंक की इस रिपोर्ट का आना और उसके समानता सूचकांक में भारत का बेहतर प्रदर्शन करना सुखद आश्चर्य का कारण तो बनता ही है। विश्व बैंक के समानता सूचकांक को गिनी सूचकांक भी कहा जाता है। एक तरह से यह आर्थिक विकास को सामाजिक समानता से जोड़ने का सूचकांक है।इस आंकड़े के अनुसार, भारत का गिनी इंडेक्स 25.5 है। इस सूचकांक के अनुसार, भारत ‘सामान्य से कम’ असमानता श्रेणी में है। मानकों के अनुसार, इस श्रेणी के लिए स्कोर 25 से 30 के बीच होता है। यह ‘कम असमानता’ वाले समूह के मानक से कुछ ही ज्यादा है। इस श्रेणी में स्लोवाक गणराज्य शामिल है।स्लोवाक का गिनी इंडेक्स 24.1 है। इसी तरह दूसरे स्थान पर रहे सोवियत संघ के पूर्व हिस्से और मौजूदा स्लोवेनिया देश का सूचकांक 24.3 है। इसके बाद 24.4 अंकों के साथ बेलारूस है। इन तीनों के बाद भारत का नंबर है। गौरतलब है कि विश्व बैंक ने दुनिया के 167 देशों का गिनी इंडेक्स जारी किया है। इनमें भारत की स्थिति बहुत बेहतर है। विश्व बैंक की इस रिपोर्ट के अनुसार, सिर्फ 30 देश ‘सामान्य से कम’ असमानता वाली श्रेणी में आए हैं। जिनमें अत्यधिक लोक कल्याण वाले अनेक यूरोपीय देश जैसे आइसलैंड, नॉर्वे, फिनलैंड, बेल्जियम और पोलैंड शामिल हैं। इसमें संयुक्त अरब अमीरात जैसा धनी देश भी शामिल है। इस सूचकांक के लिहाज से भारत का प्रदर्शन विगत के डेढ़ दशक की तुलना में बहुत बेहतर है। साल 2011 में भारत का गिनी सूचकांक 28.8 था। साल 2022 में यह 25.5 पर पहुंच गया। गिनी सूचकांक के जरिए यह समझने की कोशिश की जाती है कि देश विशेष के घरों या व्यक्तियों के बीच आय, संपत्ति और उसके उपयोग के वितरण में कितनी समानता है। इसे शून्य से लेकर 100 के सूचकांक के स्तर पर मापा जाता है। इस सूचकांक के अनुसार, जिस देश का स्कोर शून्य है, उसका मतलब है कि उस देश में पूरी तरह समानता है यानी आय का वितरण पूरे नागरिकों में समान है। इस सूची में 100 स्कोर का अर्थ है कि एक ही व्यक्ति के पास पूरी आय और संपत्ति है और वही सबसे ज्यादा उपभोग करता है, जबकि दूसरों के पास कुछ भी नहीं है। इसका मतलब यह होता है कि उस

देश दुनिया से

कुदरती आपदा में हमारी जिम्मेवारी व समाधान

जिला मंडी में आई आपदा ने पूरे प्रदेश को दर्द और पीड़ा में डुबो दिया है। बाढ़ पीड़ितों का दर्द देखा नहीं जा रहा। हर व्यक्ति अपने सामर्थ्य के अनुसार तन, मन और धन से उनका दर्द बांटने में लगा है। प्रकृति के कहर से अपनों को खोने के जख्म तो शायद ही कभी भर पाएंगे, परंतु जीवन को पटरी पर लाने के लिए भी कम मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ेगा। यही अनुकूल समय है जब मंदिरों, मठों के खजाने का मुंह आपदा प्रभावित क्षेत्रों के पुर्ननिर्माण के लिए खोल दिया जाना चाहिए। अस्थायी के धन का मानवता के उद्धार के लिए प्रयोग हो, इससे बढ़िया मंदिरों के धन का सदुपयोग क्या हो सकता है ? पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर आपदा से लेकर अब तक निरंतर आपदा प्रभावित लोगों से मिल रहे हैं, उन्हें होसला दे रहे हैं। प्रशासन पूरी लगन से कार्य कर रहा है। पत्रकार बंधु अपनी जान जोखिम में डाल कर पल-पल की खबर सब तक पहुंचा रहे हैं। कुल मिलाकर स्थिति बहुत ही भयानक और दर्दनाक है। कहने में कोई संकोच नहीं कि अभी बरसात का मौसम बहुत लंबा चलेगा। पहाड़ सुरक्षित नहीं रहे, अब कौन जाने कब क्या हो ? बारिश के मौसम में पूरे प्रदेश के बहुत से स्थानों पर घरों में दरारों का आना, जमीन का धंसना, पहाड़ों से मलबा गिरना जैसे समाचार अखबारों की सुर्खियां बन लोगों को चिंता में डाल कर बेचैन कर जाते हैं। परंतु प्रदेश की ऐसी स्थिति हुई क्यों, यह सोचना होगा। क्या पर्यावरण से छेड़ाइय या शासकीय प्रशासकीय और राजनीतिक भ्रष्टाचार का नतीजा है यह सब ? क्या मानव के लालच के आगे घुटने टेकती प्रकृति का प्रतिशोध माना जाए इसे या नदी-नालों का मार्ग अवरुद्ध कर घर बनाने का दुस्साहस कहें इसे ? विकास को गति देने के उद्धान से कोई सरोकार नहीं रहा है। नागराजों की धृष्टता समझें इसे या अपरिपक्व एवं भ्रष्ट ठेकेदारों की अवैज्ञानिक ढंग से पहाड़ों के सीने



पर चलाई गई पोकलेन का नतीजा समझें ? जिस प्रकार बाढ़ पीड़ितों का दुख बांटने के लिए हम एकजुट हुए, क्या उसी प्रकार पर्यावरण को बचाने के लिए हम एकजुट नहीं हो सकते ? हम आपदा आने ही क्यों देते हैं ? क्या हम आपदा को रोक नहीं सकते ? सरकारों के अग्रिय फैसलों के खिलाफ हम अकेले-अकेले संघर्ष करने को बाध्य क्यों हैं ? आज विजली महादेव को रोपवे बनाने के खिलाफ वहां के लोग अकेले विरोध कर रहे हैं, हम सब प्रदेशवासी उनका साथ क्यों नहीं दे सकते ? हम उनकी आवाज में अपनी आवाज क्यों मिला नहीं सकते ? वो अपने देवस्थल को बचाना चाहते हैं, अस्थायी पर पर्यटन की छाया नहीं पड़ने देना चाहते, पेड़ों को कटने नहीं देना चाहते, पर्यावरण को बचाना चाहते हैं। तो इसमें गलत क्या है ? हर बड़े प्रोजेक्ट के पीछे कुछ प्रभावशाली लोगों के स्वार्थ छुपे होते हैं, क्यों यह समझ नहीं पाते हम ? पालमपुर कृषि विश्वविद्यालय की जमीन पर टूरिज्म विलेज का विरोध बस कुछ एक लोग ने किया, क्यों सब साथ में नहीं चले ? क्यों हम नहीं समझ पाते कि मौजूदा व्यवस्था में हमारी चुनौ हुई सरकारों और हमारे चुने हुए गलत नुमाइंदों का अब सामाजिक कार्य की दृष्टि से पर्यावरण को हुए नुकसान का खामियाजा भुगतना पड़ा और अपना घर-बार, खेत-खलिहान, संपत्ति, सत्ता का मजा लूटने आते हैं। भू-माफिया, खनन



देश विशेष में पूरी तरह असमानता व्याप्त है। मोटे तौर पर समझ सकते हैं कि जिस देश का गिनी इंडेक्स जितना ज्यादा होगा, उस देश में उतनी ही असमानता होगी। विश्व बैंक का मानना ​​है कि गिनी इंडेक्स में भारत की मजबूत स्थिति की वजह उसके गरीबी हटाओ उपाय हैं। जिनके जरिए ग्रामीण और शहरी दोनों ही क्षेत्रों में गरीबी को कम करने में देश लगातार आगे बढ़ रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार, बीते दशक में 17.1 करोड़ लोगों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकालने में कामयाबी हासिल की गई है। विश्व बैंक ने गरीबी के लिए रोजना 2.15 अमेरिकी डॉलर से नीचे की आय को रखा है। इस लिहाज से भारत में 2011-12 के दौरान करीब 16.2 प्रतिशत लोग गरीबी रेखा से नीचे की रहे थे, उनकी संख्या में साल 2022-23 में घटकर सिर्फ 2.3 प्रतिशत रह गई है। भारत में समानता लाने में मोदी सरकार की योजनाओं का बहुत योगदान है। इसमें नई योजनाएं हैं और पुरानी का बेहतर कार्यान्वयन भी है। इन योजनाओं के जरिए लोगों तक अधिक पहुंच में सुधार करना, राज्य की ओर से दिए जा रहे कल्याणकारी फायदों को जमीनी स्तर तक पहुंचाना और इस पूरी प्रक्रिया में समाज के कमजोर और कमजोर प्रतिनिधित्व वाले समूहों का सहयोग करना है। इसमें प्रधानमंत्री जन धन योजना को पहले स्थान पर रखा जा सकता है। जिस योजना के तहत 25 जून, 2025 तक 55.69 करोड़ से ज्यादा लोगों के पास जन धन खाते थे। इनके जरिए ना सिर्फ लोगों को राज्य की ओर से मिलने वाली कल्याणकारी योजनाओं का फायदा सीधे पहुंच रहा है, बल्कि वित्तीय कामकाज के लिए बैंकों तक इन लोगों का जुड़ाव बढ़ा है। इससे लोगों की आर्थिक स्थिति सुधर रही है। आधार और डिजिटल पहचान के जरिए कल्याणकारी योजनाओं की पहुंच अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित हुई है। तीन जुलाई, 2025 तक देश के 142 करोड़ से अधिक लोगों के आधार कार्ड जारी किए जा चुके थे। राज्य के कल्याणकारी योजनाओं का भुगतान और सब्सिडी आदि को अब सीधे लोगों के खातों में पहुंचाया जा रहा है। इसकी वजह से देश की बचत बढ़ी है। एक आंकड़े के अनुसार, मार्च 2023 तक देश की संघीय बचत ₹3.48 लाख करोड़ तक पहुंच चुकी थी। जाहिर है कि इनमें से ज्यादातर लोगों का पैसा त्रपक्ष और सीधे खातों तक वित्तीय मदद पहुंच रहा

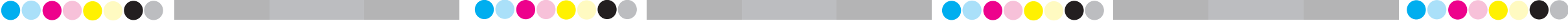
है। भारत की आर्थिक और सामाजिक असमानता को कम करने में आयुष्मान भारत योजना का भी हाथ मान सकते हैं। इसके जरिए इससे कवर परिवार को सालाना 5 लाख रूपए तक का स्वास्थ्य बीमा मिल रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार तीन जुलाई, 2025 तक देशभर में 41.34 करोड़ से अधिक आयुष्मान कार्ड जारी किए जा चुके हैं। जिसके दायरे में देश भर के 32,000 से अस्पताल शामिल हैं। इस योजना के तहत 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी नागरिकों के लिए आयुष्मान वय वंदना योजना शुरू की जा चुकी है, चाहे उनकी आय जो भी हो। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की वजह से यह प्रयास और मजबूत हुआ, जिसमें लोगों को डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने के लिए 79 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य खाते बनाए जा चुके हैं। भारत में आर्थिक और सामाजिक असमानता को दूर करने में स्टैंड-अप इंडिया जैसी योजना के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। देश में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए स्थापित इस योजना के जरिए दलित और आदिवासी एवं महिला उद्यमियों को ग्रीनफील्ड उद्योग स्थापित करने के लिए 10 लाख से एक करोड़ रूपए तक का कर्ज दिया जा रहा है। केंद्र सरकार के आंकड़ों के अनुसार इस साल जुलाई के पहले हफ्ते तक इस योजना के तहत पूरे देश में 2.75 लाख से अधिक आवेदन स्वीकृत किए जा चुके थे। इसके तहत नव उद्यमियों को 62,807.46 करोड़ रूपए दिये जा चुके हैं। एक तरह से इस योजना के जरिए वंचित समुदाय की आर्थिक तरक्की हो रही है। आर्थिक तरक्की की राह सामाजिक विकास को भी प्रभावित करती है। भारत में जारी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना देश की खाद्य और सामाजिक सुरक्षा का मजबूत स्तंभ बन चुकी है। कोरोना महामा के दौरान शुरू की गई इस योजना तहत 80.67 करोड़ लोगों को खाद्यान्न दिया जा रहा है। मुफ्त मिल रहे खाद्यान्न का उद्देश्य है कि देश का कोई भी व्यक्ति भूख पेट ना सोए। भारत में गरीबी कम करने में प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना का भी अपना विशेष योगदान मान सकते हैं। इसके तहत परामर्शिक कारीगरों और शिल्पकारों बिना किसी जमानत के ऋा, टूलकिट, डिजिटल प्रशिक्षण और मार्केटिंग सहायता दिए जा रहे हैं। इस साल जुलाई के पहले सप्ताह तक इस योजना के तहत 29.95 लाख व्यक्तियों को फायदा मिल चुका है। इससे शहरी और ग्रामीण, दोनों तरह की गरीबी दूर करने में मदद मिली है। इसका यह मतलब नहीं कि ऑक्सफैम की रिपोर्ट को अनदेखा कर दिया जाए। इसके अनुसार देश में आर्थिक असमानता बहुत ज्यादा है। इस रिपोर्ट के अनुसार देश के सबसे अमीर महज एक प्रतिशत लोगों के पास देश की चालीस फीसद से ज्यादा की संपत्ति है, जबकि सबसे गरीब आधी आबादी के पास सिर्फ तीन प्रतिशत संपत्ति है। यह असमानता आय, संपत्ति और अवसरों में भी साफ तौर पर दिखती है। ऑक्सफैम की रिपोर्ट के अनुसार, भारत के शीर्ष दस प्रतिशत लोगों के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 77 फीसद ५६ हिस्सा है।

आप का नजरिया

घायल पांव, सफर इक त्रासदी

एक ओर हिमाचल त्रासदी की खुली किताब अब दर्द बता रही है, तो दूसरी तरफ केंद्र से राहत का चैप्टर खोलने का अनुनय-विनय जारी है। कम से कम मंडी त्रासदी में अगर सबसे पहले डूबे हैं, तो वे सारे चुनौती घोषणा-पत्र, जो हिमाचल को दिल से लगाते हुए बताते रहे कि किस तरह काम आएंगे, लेकिन बाढ़ के बाद पत्थरों पर चलना अब हमारी मजबूरी है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अपने साथ अमला के सारे अध्याय लेकर दिल्ली गए, तो मुलाकातों के मर्म में एक दुहाई देखी गई। एक साथ कई दरबार और दस्तक करती हिमाचल सरकार। सुनें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जी कि पहाड़ ने देश को पानी भेजते-भेजते अपने कलेजे पर कितने वार कर लिए। एक पहाड़ी और प्रगतिशील राज्य की कितनी मीनारें गिरी और कांच के कवच में बैठी खुशहाली छिन्न-भिन्न हो गई। यह पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर के पांव बता रहे हैं कि राहत का कितना सफर बाकी है। सुक्खू को सुनें या न सुनें, सुनाने के लिए जयराम ठाकुर के प्रयास केंद्र तक पहुंचने चाहिए। भाजपा के राष्ट्राध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नट्टा से बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की आहों की अरदास सुनी जानी चाहिए। एक बहुत बड़ा इलाका जिंदगी और देश से कटा है। वहां कटे-फटे हजारों किस्से मिलेंगे, इस खंडहर में अभी दर्द बाकी है। इसलिए अमित शाह चाहें तो नट्टा और जयराम ठाकुर से पूछ कर एहसास कर लें या सीधे राज्य सरकार की दरख्वास्त पर एहदारम

कर लें। नदियां पूजने वाला देश, पानी में गंगाजल ढूंढने वाला देश, ब्यास मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू अपने साथ आपदा के सारे अध्याय लेकर भीने ने कितने असहाय पद देखे। दिल्ली गए, तो मुलाकातों के मर्म में आधी शवों की खोज में त्रासदी का एक दुहाई देखी गई। एक साथ कई दरबार और दस्तक करती हिमाचल किहीं किसी का दिल जगल रहे है। सरकार। सुनें केंद्रीय गृह मंत्री अमित हिमां किसी का दिल जगल रहे है। अधिकांश वर्षों से आपदा के निहासन शाह जी कि पहाड़ ने देश को पानी पर बैठा राष्ट्रीय नीतियों और भेजते-भेजते अपने कलेजे पर कितने प्राथमिकताओं से जूझ रहा है। इसलिए वार कर लिए। एक पहाड़ी और जब कभी मौका मिलता है, प्रदेश की प्रगतिशील राज्य की कितनी मीनारें इसी परिप्रैश्य में कांगड़ा एयरपोर्ट विस्तार के साथ-साथ हेलिपोर्ट विकास की गाथा से पर्वतीय दुरुहता को उड्डने के लिए पंख मिलेंगे। जाहिर तौर पर आज हिमाचल जहां खड़ा या पहुंचा है, वहां विकास का एक चरण, एक अध्याय पूरा हो चुका है। अब भविष्य की नई चुनौतियों के बीच उभरा यह दूर, हमारे अस्तित्व की परिभाषा बदल रहा है। इसी दर्द के श्रम अब केंद्र को सुनकर, इनका अर्थ समझते हुए हिमाचल को नई प्राथमिकताओं और मदद की रियायतों से जोडवा होगा।





खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान में 17 आतंकी मारे गए, आठ गिरफ्तार

इस्लामाबाद, 21 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने मुल्क के खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान प्रांत में 17 आतंकवादियों को मार गिराया। इस दौरान आठ दहशतगर्दों को दबोच लिया। यह जानकारी इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) और खुफिया सूत्रों ने दी।

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के अनुसार, आईएसपीआर ने रविवार देरशाam बताया कि 16 से 20 जुलाई तक खैबर-पख्तूनख्वा (केपी) के मलकंद जिले में एक संयुक्त खुफिया-आधारित अभियान चलाया गया। इस दौरान नौ आतंकवादी मारे गए और आठ अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। यह सभी फितना अल-ख्वारिज से जुड़े हैं।

सात पुलिसकर्मीयों का अपहरण

खबर के अनुसार, राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस अभियान में सफलता के लिए सुरक्षा बलों

और सेना की सराहना की है।

12 बस यात्रियों की हत्या

आईएसपीआर ने बताया कि आतंकवादियों के दो ठिकानों को नष्ट कर दिया गया। इस दौरान हथियारों, गोला-बारूद और विस्फोटकों का जखीरा बरामद किया गया। इस बीच सुरक्षा बलों ने बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग खुफिया आधारित अभियानों में आठ आतंकवादियों को मार गिराया। बताया गया है कि इससे पहले कलात जिले में नीमुरंग क्रॉस के पास कराची से क्रेटा जा रही एक यात्री बोगी पर गोलीबारी में कम से कम तीन

यात्रियों की मौत हो गई और सात घायल हो गए। एक अन्य आतंकी हमले में लोरालाई जिले में बसों से नौ यात्रियों का अपहरण कर उन्हें मार डाला गया।

एक अन्य घटनाक्रम में रविवार को ऊपरी दक्षिण वजीरिस्तान जिले में दो अलग-अलग घटनाओं में एक संधिध क्राइकॉटर ड्रोन हमले में एक महिला की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। इस बीच ऊपरी दक्षिणी वजीरिस्तान में दो अलग-अलग घटनाओं में एक सब-इंस्पेक्टर समेत सात पुलिस कर्मचारियों का अपहरण कर लिए जाने की खबर है।

न्यूज़ ब्रीफ

विमानान समझौते के उल्लंघन पर अमेरिका ने मेक्सिको की उड़ानों पर लगाया बैन



वाशिंगटन। अमेरिका ने मेक्सिको पर द्विपक्षीय विमानन समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसकी उड़ानों पर नए प्रतिबंधों की घोषणा की है। अमेरिकी परिवहन विभाग ने कहा कि मेक्सिको 2022 से अमेरिका-मेक्सिको एयर ट्रांसपोर्ट एग्रीमेंट का पालन नहीं कर रहा है। विभाग के मुताबिक मेक्सिको सरकार ने अचानक स्लॉट रद्द कर दिए और अमेरिकी मालवाहक विमानों को राजधानी के मुख्य हवाई अड्डे से हटाकर नए हवाई अड्डे पर ले जाने के लिए मजबूर किया। मेक्सिको के तत्कालीन राष्ट्रपति आंद्रेस मैनूअल लोपेज ओब्रादोर ने इसे 2026 फीफा वर्ल्ड कप की तैयारियों के मद्देनजर जरूरी बताया था। अमेरिकी परिवहन सचिव ने तीन 'अमेरिका फर्स्ट' उपायों की घोषणा की। इसके तहत कहा गया कि सभी मेक्सिकन एयरलाइनों को अमेरिका में अपनी उड़ानों का शेड्यूल परिवहन विभाग को देना होगा। कोई भी बड़ा यात्री या मालवाहक चार्टर विमान अमेरिका से आने-जाने से पहले विभाग की अनुमति लेनी होगी। साथ ही डेटा एयरलाइंस और एरोमेक्सिको की साझेदारी से एंटीट्रस्ट छूट वापस ली जा सकती है। डेटा और एरोमेक्सिको ने 2016 में साझेदारी की थी और वे इस फेसले का विरोध कर रहे हैं। कंपनियों ने तर्क दिया है कि सरकार की कार्रवाई की सजा उन्हें नहीं दी जानी चाहिए, क्योंकि इससे दो दर्जन रुढ़ प्रभावित होंगे और करीब 800 मिलियन डॉलर की उपभोक्ता बचत पर असर पड़ेगा।

फरारी बेची, कंपनी छोड़ी... जापानी शख्स ने कुत्तों के लिए खोला शेल्टर

टोक्यो। जापान के 54 वर्षीय हिरोटाका सैतो ने अपने जीवन का एक बड़ा फैसला लेते हुए अपनी कंपनी और महंगी फरारी कार बेच दी, लेकिन यह फैसला उन्होंने किसी मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि बेजुबान कुत्तों की भलाई के लिए लिया। जानकारी

अनुसार सैतो ने यह कदम इसलिए उठाया क्योंकि करीब 12 साल पहले उनका पालतू कुत्ता, जो करीब 70 किलो का था, ने एक बेहद मुश्किल वक़्त में उन्हें आत्महत्या करने से रोक दिया था। उस क्षण ने उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल दी। तभी उन्होंने मन बना लिया कि वे अब अपना सारा जीवन और कमाई पशु कल्याण को समर्पित करेंगे। सैतो का 'वान्सफ्री कैनाइन रेस्क्यू सेंटर' उन कुत्तों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बन चुका है, जिन्हें किसी न किसी रूप में इंसानी दुर्व्यवहार और उपेक्षा का शिकार होना पड़ा है। खास बात यह है कि यहां ऐसे कुत्तों को मुफ्त में रखा जाता है, जिन्हें अचानक पर अन्य शेल्टर स्वीकार नहीं करते। इस संबंध में खुद सैतो ने एक बातचीत के दौरान बताया, कि कई बार मुझे कुत्तों ने काटा भी है, लेकिन अब मैं पहले से कहीं ज्यादा खुश और संतुष्ट हूं। मेरा मकसद इन बेजुबानों को सिर्फ प्यार और सम्मान देना है। वर्तमान में उनके शेल्टर में 40 कुत्ते और 8 बिलियाँ रह रही हैं। सैतो की योजना है कि वह 2028 तक इस संख्या को 300 कुत्तों तक बढ़ाए।

अगर अमेरिकी डॉलर ने दर्जा खोया, तो यह विश्व युद्ध हारने जैसा होगा



वाशिंगटन। अमेरिकी डॉलर की वैश्विक स्थिति को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की चिंता बढ़ती जा रही है। ब्रिक्स देशों की ओर से डॉलर के वर्चस्व को चुनौती देने की कोशिशों के बीच ट्रंप ने कहा है कि अगर अमेरिकी डॉलर अपना रिजर्व करेसी का दर्जा खो देता है, तो यह अमेरिका के लिए एक विश्व युद्ध हारने जैसा होगा। एक अगरस्त से अमेरिका द्वारा लागू किए जाने वाले रेंसिप्रोकल टैरिफ को लेकर ट्रंप पहले ही जापान, ब्राजील, साउथ कोरिया, इंडोनेशिया सहित कई देशों के खिलाफ सख्त रुख अपना चुके हैं। डॉलर की वैश्विक स्थिति को लेकर ट्रंप चिंतित, ब्रिक्स देशों को दो रहे धमकी अब ट्रंप ने ब्रिक्स देशों को भी चेतावनी दी गई है कि यदि वे डी-डॉलरीकरण की दिशा में आगे बढ़ते हैं तो उन पर अलग से टैरिफ लगाया जा सकता है। ट्रंप ने कहा कि डॉलर का वैश्विक प्रभुत्व समाप्त हुआ तो अमेरिका पहले जैसा देश नहीं रहेगा। ब्रिक्स देश ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका मिलकर सिस्टम का विकल्प तैयार करने और रखायी ब्रिक्स करेसी लाने की तैयारी कर रहे हैं।

गाजा में मदद के लिए जुटे 85 फिलीस्तीनियों की मौत, इजराइल ने व्यापक निकासी आदेश जारी किए



दीर अल-बलाह, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

गाजा में मानवीय सहायता की तलाश कर रहे कम से कम 85 फिलीस्तीनियों की रविवार को गोलीबारी में मौत हो गई, जो पिछले 21 महीनों में सहायता पाने वालों के लिए सबसे घातक दिन रहा। गाजा की स्वास्थ्य मंत्रालय ने यह जानकारी दी है। इस घटना के बीच इजराइल की सेना ने केंद्रीय गाजा के कई हिस्सों में नए निकासी आदेश जारी किए हैं। यह क्षेत्र अब तक जमीन पर सैन्य अभियान से अपेक्षाकृत अछूता रहा था और जहां कई अंतरराष्ट्रीय सहायता एजेंसियां कार्यरत हैं। रिपोर्टों के अनुसार, कई संगठनों को तत्काल अपने कार्यालय खाली करने के

लिए कहा गया है।

सबसे ज्यादा मौतें उत्तरी गाजा में

उत्तरी गाजा, जो भारी तबाही और भुखमरी से जूझ रहा है, वहां जिकिम क्रॉसिंग के पास सहायता के लिए जुटे लोगों पर गोलीबारी में कम से कम 79 फिलीस्तीनी मारे गए। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय के रिकॉर्ड विभाग प्रमुख जाहर अल-वाहेदी ने बताया कि इस समय संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम के 25 टुक वहां भूख से बेहाल समुदायों के लिए मदद लेकर पहुंचे थे, सभी भारी भीड़ जमा हो गई।

प्रत्यक्षदर्शियों की आपबीती

ईहाब अल-जेई, जो आटा लेने

पहुंचे थे, ने बताया, अचानक चारों ओर टैंक आ गए और गोलियों और हमलों के बीच हम दो घंटे तक फंसे रहे। अब मैं दोबारा कभी नहीं जाऊंगा। भूख से मरना बेहतर है।

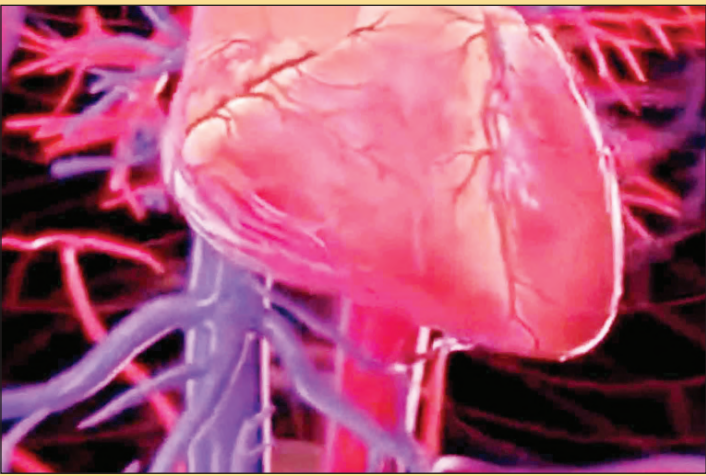
एक अन्य घायल नागरिक नाफिक अल-नज्जार ने कहा कि टैंकों और ड्रोन ने लोगों को बेतरतीब तरीके से निशाना बनाया, और उन्होंने अपने चचेरे भाई को मरते देखा।

वहीं, इजराइली सेना ने बयान जारी कर कहा कि उत्तरी गाजा में हजारों लोगों की भीड़ इकट्ठा हुई थी, जो सुरक्षा के लिए खतरा थी, और इसी वजह से सैनिकों ने फायरिंग की। सेना ने यह स्वीकार किया कि कुछ लोग हताहत हुए हैं, लेकिन गाजा के अधिकारियों द्वारा

बताए गए आंकड़ों को उसने अत्यधिक बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया बताया। साथ ही, उसने हमला पर जानबूझकर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया।

इसके अलावा, रफाह के शकूश इलाके में 6 अन्य फिलीस्तीनियों की मौत हुई। यह स्थान अमेरिका और इजराइल द्वारा समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फाउंडेशन के वितरण केंद्र के पास है। जबकि खान यूनि्स में टेंट में शरण ले रहे 7 लोगों की मौत, जिनमें एक 5 वर्षीय बालक भी शामिल था। यह जानकारी कुवैत स्पेशलाइज्ड फीलड हॉस्पिटल ने दी। स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, 150 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जिनमें कई की हालत गंभीर बनी हुई है।

दिल की गंभीर बीमारियों की पहचान कर सकता है इकोनेक्स्ट



दिल की बीमारी से परेशान मरीजों के लिए वैज्ञानिकों ने एक बड़ी खुशखबरी दी है। अमेरिकी वैज्ञानिकों ने एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) टूल विकसित किया है, जो बेहद कम लागत वाले ईसीजी डेटा के आधार पर दिल की गंभीर और छिपी हुई बीमारियों की पहचान कर सकता है। इस टूल का नाम 'इकोनेक्स्ट' रखा गया है और यह कार्डियोलॉजिस्ट यानी हृदय रोग विशेषज्ञों से भी ज्यादा सटीक तरीके से बीमारी पकड़ने की क्षमता रखता है। दुनियाभर में लाखों लोग दिल की बीमारियों से ग्रस्त होते हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर को समय रहते बीमारी का पता नहीं चल पाता, क्योंकि जांच महंगी होती है या जरूरी तकनीक उपलब्ध नहीं होती। इसी चुनौती को देखते हुए कोलंबिया यूनिवर्सिटी की एक टीम ने यह खास टूल तैयार किया है।

जापान में उच्च सदन के चुनाव में सत्तारूढ़ गठबंधन का खराब प्रदर्शन

टोक्यो, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

जापान का सत्तारूढ़ गठबंधन संसद के

उच्च सदन डायट के लिए रविवार को हुए

चुनाव में पिछड़ा नजर आ रहा है। जापान

के प्रमुख अखबार असाही शिबुन के

एगिट पोल के अनुसार, सत्तारूढ़

लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) का

प्रदर्शन इस बार दमदार नहीं रहा।

सरकारी प्रसारक एनएचके टेलीविजन

का भी कुछ ऐसा ही दावा है।

एनकेएच ने ऊपरी सदन में सत्तारूढ़ गठबंधन की सीटें कम होने का अनुमान जताया है। एनकेएच के अनुसार, इस चुनाव में धुर-दक्षिणपंथी सैनसेतो पार्टी ताकत के रूप में उभरी है।

एनएचके में प्रसारित एक्जिट पोल में इशिबा

区 公認候補者					
	滝波 宏文	兵庫	加田 裕之	福岡	 松山
	森屋 宏	奈良 	堀井	賀	 山下
	藤田 ひかる	和歌山	二階	崎	 古賀
	若井 敦子	鳥取 	出	熊本	 馬場
	牧野 たかお	岡山	小	大分	白坂
	酒井 庸行	広島 	西	崎	長峯
	吉川 ゆうみ	山口 	北	島	園田
	宮本 和宏	徳島 高知	大	大分	奥間
	西田 昌司	香川			
	柳本 顕	愛媛			



के गठबंधन को 32-51 सीट मिलने का अनुमान लगाया गया है। अन्य चैनलों के मुताबिक इस गठबंधन को 40-43 सीट मिल सकती है। एलडीपी को अकेले 32 से 35 सीटें मिलने का अनुमान है। एलडीपी अभी भी संसद में सबसे बड़ी पार्टी है।

एनएचके के अनुसार, मुख्य विपक्षी दल कांस्टीट्यूशनल डेमोक्रेटिक पार्टी को 18 से 30 सीटें मिलने का अनुमान है। पहले उसे 22 सीटें मिली थीं। धुर दक्षिणपंथी सैनसेतो पार्टी अपने को प्रभावित कर रही है। इस पार्टी को 10-22 सीटें मिलने की संभावना है। इसे पिछले चुनाव में एक सीट मिली थी। इस पार्टी की शुरुआत कोविड-19 महामारी के दौरान यू-ट्यूब के जरिये हुई थी।

अस्पष्टता की सरकार चला रहे प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन की सीटें कम होने से जापान में राजनीतिक अस्थिरता बढ़ने की आशंका है। हालांकि इस

चुनाव से सीधे तौर पर प्रधानमंत्री इशिबा की सरकार पर असर नहीं पड़ेगा, लेकिन उच्च सदन में झटका लगने से उन पर इस्तीफा देने का दबाव बढ़ सकता। महत्वपूर्ण यह है कि अक्टूबर में हुए निचले सदन के चुनाव में भी इशिबा की पार्टी का प्रदर्शन 15 वर्षों में सबसे खराब रहा था। उन पर अविश्वास प्रस्ताव का खतरा भी मंडरा रहा है।

खबर के अनुसार, सत्तारूढ़ गठबंधन उच्च सदन में अपना बहुमत खो सकता है। इस चुनाव को प्रधानमंत्री और एलडीपी के लिए कड़ा झटका माना जा रहा है। इशिबा ने रविवार देररात सरकारी प्रसारक एनएचके से कहा कि वह फिलहाल सरकार में बने रहेंगे।

एलडीपी महासचिव हिरोशी मोरियामा ने कहा कि वह इशिबा के साथ इस बात पर चर्चा करेंगे कि नतीजों की जिम्मेदारी कैसे ली जाए। प्रधानमंत्री इशिबा ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा, हमें अनुमानित परिणाम को विनम्रता से स्वीकार करना होगा। एलडीपी को सत्तारूढ़ दल के रूप में अपनी जिम्मेदारी पूरी करनी चाहिए।

भारत-बांग्लादेश के लिए मुसीबत, ब्रह्मपुत्र नदी पर बनने लगा दुनिया का सबसे बड़ा बांध

बीजिंग, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

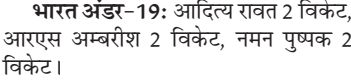
चीन ने भारतीय सीमा के निकट तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बांध का निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया। सरकारी मीडिया की खबर के अनुसार, चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने ग्वांग्जी शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के निचले क्षेत्र, जिसे स्थानीय रूप से यारलुंग जांगबो के नाम से जाना जाता है, में आयोजित समारोह में बांध के निर्माण कार्य के शुरू होने की घोषणा की।

खबर के अनुसार यह समारोह तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र के ग्वांग्जी मेनलिंग जलविद्युत स्टेशन के बांध स्थल पर आयोजित हुआ। दुनिया की सबसे बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजना मानी जाने वाली इस जलविद्युत परियोजना ने भारत और बांग्लादेश में चिंता पैदा कर दी है। इस परियोजना में पांच जलविद्युत स्टेशन शामिल होंगे। वर्ष 2023 की एकरिपोर्ट के अनुसार, जल विद्युत स्टेशन से प्रत्येक वर्ष 300 अरब किलोवाट घंटे से अधिक बिजली उत्पन्न होने की उम्मीद है। रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग और चीन के विद्युत निर्माण निगम समेत विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने समारोह में



हिस्सा लिया। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कुछ दिनों पहले ही कहा था कि राज्य की सीमा के निकट चीन द्वारा बनाया जा रहा विशाल बांध एक 'वाटर बम' होगा और यह सैन्य खतरे के अलावा, किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। खांडू ने इंटरव्यू में कहा था कि यारलुंग सांगपो नदी पर दुनिया की सबसे बड़ी बांध परियोजना गंभीर चिंता का विषय है क्योंकि चीन ने अंतरराष्ट्रीय जल संधि पर हस्ताक्षर नहीं किए हैं, जो उसे अंतरराष्ट्रीय

मानदंडों का पालन करने के लिए मजबूर कर सकती थी। ब्रह्मपुत्र नदी को तिब्बत में यारलुंग सांगपो नाम से जाना जाता है। खांडू ने कहा था, मुद्दा यह है कि चीन पर भरोसा नहीं किया जा सकता। कोई नहीं जानता कि वे कब क्या करेंगे। उन्होंने कहा, चीन से सैन्य खतरे के अलावा, मुझे लगता है कि यह किसी भी अन्य समस्या से कहीं ज्यादा बड़ा मुद्दा है। यह हमारी जनजातियों और हमारी आजीविका के लिए अस्तित्व का खतरा पैदा करने वाला है।



पर 60 ओवर तक चली गेंद को सूखे मैदान की 30 ओवर पुरानी गेंद के बदले इस्तेमाल किया जा सकता है, बशर्ते उसकी गुणवत्ता ठीक हो। लेकिन यह ध्यान रखना जरूरी है कि रिफ्लेसमेंट गेंद बिल्कुल वैसी नहीं होती जैसी खराब हुई हो।



2025-26 की पहली तिमाही में इलेक्ट्रॉनिक्स रेडीमेड गारमेंट्स में बढ़ा भारत का ग्राफ

नई दिल्ली, 21 जुलाई (एजेंसियां) । वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) भारत के निर्यात क्षेत्र के लिए अच्छी रही है। इसमें इलेक्ट्रॉनिक्स, रेडीमेड गारमेंट्स और समुद्री उत्पादों में बढ़ोतरी देखी गई है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक अप्रैल-जून 2025-26 तिमाही में भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए अमेरिका, यूएई और चीन शीर्ष तीन एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बनकर उभरे हैं। इस दौरान इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़कर 12.41 अरब डॉलर तक पहुंच गई है।

अमेरिका, यूएई और चीन शीर्ष तीन एक्सपोर्ट डेस्टिनेशन बनकर उभरे

अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात का स्थान बन गया है। इसकी हिस्सेदारी 60.17 फीसदी है। रेडीमेड गारमेंट्स के लिए भी अमेरिका सबसे बड़ा बाजार है, जहां 34.11 फीसदी निर्यात होता है। समुद्री उत्पादों के निर्यात में भी 19.45फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसमें अमेरिका 37.63फीसदी हिस्सेदारी के साथ

सबसे बड़ा आयातक है। ऐसे में जब भारत वैश्विक बाजारों में अपनी पैठ मजबूत कर रहा है तो दुनिया के सबसे बड़े निर्यातक चीन का टेंशन में होना स्वाभाविक है। भारत का यह बढ़ता ग्राफ न केवल उसकी आर्थिक महत्वाकांक्षाओं को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक व्यापारिक समीकरणों में संभावित बदलाव की ओर भी इशारा करता है। सभारत का इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर तेजी से आगे बढ़ रहा है। अप्रैल से जून 2025-26 के बीच इस सेक्टर ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़े के मुताबिक भारत ने

सबसे ज्यादा इलेक्ट्रॉनिक्स सामान अमेरिका, यूएई और चीन को बेचा है। नीदरलैंड और जर्मनी भी भारत से इलेक्ट्रॉनिक्स सामान खरीदने वाले बड़े देश हैं। इस साल अप्रैल से जून के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स के निर्यात में 47 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़कर 12.41 अरब डॉलर हो गई। मीडिया रिपोर्ट में एक अधिकारी के हवाले से बताया गया कि भारत दुनिया के इलेक्ट्रॉनिक्स सप्लाय चेन में तेजी से जुड़ रहा है। भारत एशिया में एक भरोसेमंद मैनुफैक्चरिंग हब के रूप में उभर रहा है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत की यूपीआई सेवा बनी डिजिटल भुगतान की दुनिया में नंबर वन



नई दिल्ली। भारत अब डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में पूरी दुनिया में सबसे आगे है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, भारत का युनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) इस सफलता का मुख्य आधार है। 2016 में नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई शुरू किया था, जो भारत में पैसे भेजने और प्राप्त करने का सबसे तेज, आसान और भरोसेमंद तरीका बन चुका है। यूपीआई की सबसे बड़ी खासियत है कि यह एक ही मोबाइल ऐप से कई बैंक खातों को जोड़ने की सुविधा देता है। इससे कोई भी व्यक्ति कुछ ही दिलक में किसी भी बैंक में पैसे भेज या प्राप्त कर सकता है। जून 2025 तक यूपीआई के जरिए हर महीने लगभग 18.39 अरब लेन-देन होते हैं, जिनकी कुल रकम 24.03 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। यूपीआई से हर महीने 18 अरब के लेनदेन, 49 करोड़ से ज्यादा युजर्स यह पिछले वर्ष जून के मुकाबले 32 प्रतिशत की वृद्धि है। भारत में 49.1 करोड़ लोग और 65 लाख व्यापारी यूपीआई से जुड़े हैं। 675 बैंक यूपीआई नेटवर्क से जुड़े हैं, जिससे उपयोगकर्ता को बैंक के नाम की चिंता नहीं करनी पड़ती। भारत में डिजिटल लेन-देन का 85 प्रतिशत यूपीआई के जरिए होता है। वैश्विक स्तर पर देखें तो दुनिया के आधे से अधिक रियल-टाइम डिजिटल भुगतान भारत के यूपीआई से होते हैं। यूपीआई की सेवा यूएई, सिंगापुर, भूटान, नेपाल, श्रीलंका, फ्रांस और मॉरिशस जैसे सात देशों में शुरू हो चुकी है। विशेष रूप से फ्रांस में यूपीआई की शुरुआत यूरो में इसका पहला कदम है, जिससे वहां के भारतीय प्रवासियों को भुगतान करना और भी आसान हो गया है।

ब्रिगेड होटल वेंचर्स का आईपीओ 24 जुलाई को खुलेगा



नई दिल्ली। दक्षिण भारत की प्रमुख होटल डेवलपर ब्रिगेड होटल वेंचर्स लिमिटेड ने अपने आगामी आरंभिक सार्वजनिक निगम (आईपीओ) के लिए 85 से 90 रुपए प्रति शेयर का मूल्य दायरा निर्धारित किया है। कंपनी 24 जुलाई से 28 जुलाई 2025 तक आईपीओ के लिए आवेदन स्वीकार करेगी। एंकर निवेशक 23 जुलाई को बोली लगा सकेंगे। यह आईपीओ पूर्णतः नए शेयर जारी करने पर आधारित है, इसमें कोई ऑफर फॉर सेल शामिल नहीं है। आईपीओ का कुल आकार 749.6 करोड़ रुपये है। जेएम फाइनेंशियल और आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज इस प्रस्ताव के प्रबंधक हैं। कंपनी के शेयर 31 जुलाई को स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हो सकते हैं। ब्रिगेड होटल वेंचर्स ने हाल ही में 360 वन अल्ट्रानेट्स एसेट मैनेजमेंट को शेयर बेचकर 126 करोड़ की फंडिंग भी प्राप्त की है।

त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिए एडीबी देगा 975 करोड़



अगरतला। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने त्रिपुरा के नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 975.26 करोड़ रुपये का ऋण मंजूर किया है। त्रिपुरा औद्योगिक विकास निगम (टीआईडीसी) के चेयरमैन ने बताया कि इस परियोजना के तहत औद्योगिक शूड, बिजली सबस्टेशन, भूमिगत बिजली लाइन, अग्निशमन सेवा स्टेशन और 34 सड़कों का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि एडीबी द्वारा यह ऋण त्रिपुरा के औद्योगिक क्षेत्रों को विश्वस्तरीय बनाने में मदद करेगा और परियोजना का कार्य तेजी से प्रगति पर है। इस योजना के अंतर्गत बोधजंगनगर, आर.के. नगर, दुकली और ए.एन. नगर समेत कुल नौ औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा विकसित किया जाएगा। राज्य सरकार ने दक्षिण त्रिपुरा के सतिरबाजार में 127 एकड़ और उनाकोटी जिले के फटीक्रोय में 28 एकड़ भूमि औद्योगिक क्षेत्रों के लिए आवंटित की है। टीआईडीसी ने इन नए क्षेत्रों में सीमांकन और बुनियादी ढांचा निर्माण का काम शुरू कर दिया है ताकि उद्योगों के लिए भूमि लंबे समय तक खाली न पड़े। वर्तमान में राज्य में दो प्लाईवुड निर्माण इकाइयां संचालित हो रही हैं, और भविष्य में सात और नई इकाइयां स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

विपक्ष के हंगामे...

साथ ही, 'आयकर संशोधन विधेयक' पर लोकसभा में 12 घंटे तक विस्तृत चर्चा होगी। इसके अलावा, 'राष्ट्रीय खेल विधेयक' पर 8 घंटे की चर्चा निर्धारित की गई है और 'मणिपुर बजट' पर 2 घंटे की चर्चा होगी। इसके साथ ही तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) ने 1975 के आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर चर्चा की मांग की है। वहीं, भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में बारिश और बाढ़ की स्थिति पर चर्चा का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि इस बार मानसून सत्र 21 जुलाई से लेकर 21 अगस्त तक चलेगा। यह सत्र 32 दिन तक चलेगा। इस दौरान 21 बैठकें होंगी। स्वतंत्रता दिवस समारोह के लिए संसद के दोनों सदन 12 अगस्त से 17 अगस्त तक स्थगित रहेंगे। इसके बाद 18 अगस्त को सत्र फिर से शुरू होगा।

उपराष्ट्रपति...

डॉ. धनखड़ के इस्तीफे के फौरन बाद ही भारत के उपराष्ट्रपति के एक्स हैंडल से धनखड़ की तस्वीर हटा दी गई। इससे भी यह संदेह होता है कि डॉ. धनखड़ के इस्तीफे की कुछ अन्य अंदरूनी वजहें भी हो सकती हैं। देश के राजनीतिक इतिहास में यह दूसरा वाक्या है, जब किसी उपराष्ट्रपति ने अपना कार्यकाल पूरा करने से पहले इस्तीफा दिया हो। इससे पहले वीवी गिरि ने 20 जुलाई 1969 को स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

पिछले महीने उत्तराखंड के तीन दिवसीय दौर पर गए थे। कुमाऊं विश्वविद्यालय में कार्यक्रम खत्म होने के बाद उनकी अचानक तबीयत खराब हो गई थी। मौके पर चिकित्सकों की टीम ने उन्हें प्राथमिक उपचार दिया था। जिसके बाद वह राज्यपाल गुरमीत सिंह के साथ राजभवन को रवाना हो गए थे। इससे पहले उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा था कि ईश्वर की कृपा रही तो वह अगस्त, 2027 में सेवानिवृत्त हो जाएंगे। 14वें उपराष्ट्रपति के रूप में धनखड़ का पांच साल का कार्यकाल 10 अगस्त, 2027 को समाप्त हो रहा है। पेशे से वकील धनखड़ उपराष्ट्रपति चुने जाने से पहले पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे।

उपराष्ट्रपति की गैरमौजूदगी में सभापति का पद खाली होने की स्थिति में राज्यसभा के उपसभापति अस्थायी तौर पर कार्यकारी सभापति के तौर पर पद संभालते हैं। मौजूदा समय में राज्यसभा के उपसभापति का पद हरिवंश नारायण सिंह के पास है। ऐसे में वे ही राज्यसभा के कार्यकारी सभापति के तौर पर जिम्मेदारी निभाएंगे। उपराष्ट्रपति पद खाली होने के बाद अगले उपराष्ट्रपति चुने जाने की प्रक्रिया जल्द से जल्द पूरी कराए जाने का प्रावधान है। चुनाव आयोग अब इस पद पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू करेगा। संविधान के अनुच्छेद 66 के मुताबिक, उपराष्ट्रपति का चुनाव संसद के दोनों सदनों लोकसभा और राज्यसभा के सदस्यों की ओर से गुप्त मतदान द्वारा किया जाता है।

संविधान के अनुच्छेद 66 में उपराष्ट्रपति चुनाव की प्रक्रिया का जिक्र है। यह चुनाव अनुपातिक प्रतिनिधि पद्धति से किया जाता है। इसमें वोटिंग सिंगल ट्रांसफरबल वोट सिस्टम से होती है। आसान शब्दों में इस चुनाव के मतदाता को वरीयता के आधार पर वोट देना होता है। मसलन वह बैलट पेपर पर मौजूद उम्मीदवारों में अपनी पहली पसंद के उम्मीदवार को एक, दूसरी पसंद को दो और इसी तरह से अन्य प्रत्याशियों के आगे अपनी प्राथमिकता नंबर के तौर पर लिखता है। ये पूरी प्रक्रिया गुप्त मतदान पद्धति से होती है। मतदाता को अपनी वरीयता सिर्फ रोमन अंक के रूप में लिखनी होती है। इसे लिखने के लिए भी चुनाव आयोग द्वारा उपलब्ध कराए गए खास पेन का इस्तेमाल करना होता है।

ऑपरेशन सिंदूर

अब यह लगभग दो प्रतिशत है। मानसून सत्र में पीएम ने विपक्ष से सकारात्मक बहस का आह्वान किया है। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर को पूरी तरह सफल बताते हुए कहा कि भारत की सैन्य शक्ति का, भारत के सैन्य के सामर्थ्य का रूप दुनिया देख रहा है। भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100 फीसदी हासिल किया।

आतंकियों के घर में घुसकर 22 मिनट में उसे ध्वस्त कर दिया। बिहार के कार्यक्रम के दौरान जो घोषणा की थी, बहुत ही कम समय में सेना ने वो कर के दिखा दिया। मेक इन इंडिया की ताकत पूरी दुनिया ने देखी है। पीएम ने कहा कि पहलगायाम में हुए क्रूर नरसंहार ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया और आतंकवाद तथा उसके केंद्र की ओर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया। दलगत भावना से ऊपर उठकर, पूरे भारत के प्रतिनिधि पाकिस्तान की भूमिका को उजागर करने के लिए एकजुट हुए

उन्होंने कहा, हमारी सैन्य शक्ति में बहुत ही दमखम है ये दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्य शक्ति का नया औजार पर दुनिया अचंभित है। मेड इन इंडिया रक्षा उपकरण बन रहे हैं उससे भारत की सैन्य शक्ति को बल मिलेगा। नौजवानों के रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। नक्सलवाद का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, आज नक्सलवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। माओवाद और नक्सलवाद को पूरी तरह उखाड़ने का काम तेज गति से चल रहा है। मैं गर्व से कह सकता हूँ कि देश में सैकड़ों जिले नक्सल की चपेट से निकल कर मुक्ति का साँस ले रहे हैं।

पीएम ने भारत की अर्थव्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा कि पहले हम दुनिया में 10वें नंबर की अर्थव्यवस्था थे, लेकिन अब हम दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं।

पीएम ने कहा, देश ने एक स्वर का सामर्थ्य क्या होता है ये देखा है, इसलिए सदन में भी ये स्वर निकले। दल हित में मन मिले न मिले लेकिन देशहित में मन जरूर मिले। इसलिए देश की प्रगति को आगे ले जाने वाले बिल को पास करें। पीएम ने कहा, बारिश हर परिवार की अर्थव्यवस्था के लिए अहम है। आने वाले दिनों में देश को इससे काफी फायदा मिलेगा। मानसून सत्र देश के लिए गौरवपूर्ण सत्र है। मानसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है। अब तक की खबरों के मुताबिक देश में मौसम बहुत ही अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है। बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था और हर परिवार की अर्थव्यवस्था के लिए अहम है।

जस्टिस यशवंत...

संविधान के अनुच्छेद 124, 217 और 218 के तहत दायर इस महाभियोग प्रस्ताव को भाजपा, कांग्रेस, टीडीपी, जेडीयू, सीपीएम सहित विभिन्न दलों के सांसदों का समर्थन प्राप्त हुआ। प्रस्ताव पर अनुराग ठाकुर, रविशंकर प्रसाद, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, राजीव प्रताप रूडी, सुप्रिया सुले, केशी वेणुगोपाल और पीपी चौधरी जैसे सांसदों में हस्ताक्षर किए।

उच्च सदन में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्हें न्यायमूर्ति वर्मा को हटाने की मांग वाला एक प्रस्ताव मिला है, जिस पर 50 से अधिक राज्यसभा सांसदों के हस्ताक्षर हैं। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि हाई कोर्ट जज को पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए जरूरी संख्या से ज्यादा सांसदों का नोटिस मिला है। उन्होंने कहा कि अगर एक सदन में प्रस्ताव आए तो प्रीसाइडिंग ऑफिसर के पास यह अधिकार होता है कि वह उसे स्वीकार करे या खारिज कर दे। लेकिन अगर दोनों सदनों में एक ही दिन मोशन आता है, तो यह सदन की प्रॉपर्टी हो जाता है।

राज्य सभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश, हाई कोर्ट के एक चीफ जस्टिस और एक सदस्य को लेकर तीन सदस्यीय कमेटी बनाई जाती है। इस कमेटी की रिपोर्ट के बाद स्पीकर या चेयरमैन मोशन पर फैसला ले सकते हैं। सभापति जगदीप धनखड़ ने राज्य सभा के सेक्रेटरी जनरल से इस बात की पुष्टि करने के लिए कहा कि क्या यह मोशन लोकसभा में भी आया है। इस पर कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि लोक सभा में भी सदस्यों ने स्पीकर को मोशन सौंपा है। इसकी पुष्टि होने के बाद राज्य सभा के सभापति ने सेक्रेटरी जनरल को महाभियोग प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया। धनखड़ ने यह भी कहा कि उन्हें मिले मोशन पर 55 हस्ताक्षर हैं, लेकिन हस्ताक्षर करने वाले सदस्यों की संख्या 54 ही है। हम इस बात की पुष्टि करेंगे कि किस सदस्य ने दो बार हस्ताक्षर किए हैं। उस सदस्य का दूसरा हस्ताक्षर अमान्य कर दिया जाएगा।

संविधान के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए राष्ट्रपति के आदेश के बाद, कम से कम 100 लोकसभा या 50 राज्यसभा सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। प्रस्ताव को स्वीकार किया जाए या नहीं, इसका निर्णय अध्यक्ष या सभापति करते हैं।

सभी बारह ...

ये सभी ब्लास्ट मुंबई के पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में करवाए गए थे। खार, बांद्रा, जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए थे। ट्रेनों में लगाए गए बम आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था। पुलिस ने चार्जशीट में बताया था कि मार्च 2006 में लश्कर-ए-तैयबा के आजम चीमा ने अपने बहावलपुर स्थित घर में सिमी और लश्कर के दो गुटों के मुखियाओं के साथ इन धमाकों की साजिश रची थी। पुलिस ने कहा था कि मई 2006 में बहावलपुर के ट्रेनिंग कैंप में 50 युवकों को भेजा गया। उन्हें बम बनाने और बंदूक चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।

जगन मोहन रेड्डी ने ली...

तत्कालीन मुख्यमंत्री के सलाहकार, राज कासिरेड्डी उर्फ कासिरेड्डी राजशेखर रेड्डी जो इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। उनको मुख्य साजिशकर्ता और सह-साजिशकर्ता बताया गया है। उन्होंने कथित तौर पर आबकारी नीति में हेराफेरी की है। ऑटोमेटिकली ऑपरेट होने वाली (ओएफएस) प्रॉसेस को मैनुअल प्रणालियों से बदल दिया और आंध्र प्रदेश राज्य पेय पदार्थ निगम लिमिटेड में अपने बफादार अधिकारियों को नियुक्त किया।

यह भी आरोप लगाया गया कि राजशेखर रेड्डी ने पूर्व विधायक चेविरेड्डी भास्कर रेड्डी के साथ मिलकर वाईएसआरसीपी के चुनाव अभियान के लिए 250-300 करोड़ रुपये नकद दिए। कथित तौर पर अपराध की आय को 30 से ज्यादा फर्जी कंपनियों के जरिए पैसा भेजा गया और दुबई तथा अफ्रीका में जमीन, सोना और आलीशान संपत्तियां खरीदने में इस्तेमाल किया गया।

आरोपियों ने कथित तौर पर उन डिस्टिलरियों से ओएफएस से रोक दिया, जिन्होंने रिश्तत की मांग का विरोध किया था। एसआईटी ने अदालत को बताया कि इस मामले में अब तक 62 करोड़ रुपये जब्त किए जा चुके हैं। एसआईटी ने मामले में 268 गवाहों से भी पूछताछ की।

वाईएसआरसीपी सांसद पीबी मिथुन रेड्डी की गिरफ्तारी से एक घंटे पहले चार्जशीट दाखिल किया गया। एसआईटी ने उनसे करीब सात घंटे पूछताछ के बाद उन्हें शनिवार को गिरफ्तार कर लिया था। लोकसभा में वाईएसआरसीपी के नेता मिथुन रेड्डी पर कथित घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है।

30 किमी लंबी...

इस टनल के निर्माण काम फिलहाल जोरों पर है। निर्माणाधीन परियोजना जोजिला सुरंग भारत की सबसे लंबी सड़क सुरंग और एशिया की सबसे लंबी द्वि-दिशात्मक टनल बनने के लिए तैयार है। यहां आपको ये जानकर हैरत होगी कि अभी तक जोजिला टनल प्रोजेक्ट के लिए सेल 31,000 टन से भी ज्यादा स्टील की मुहैया करा चुकी है। अगर सबकुछ पहले से तय तरीके से हुआ तो यह टनल साल 2027 तक बन कर तैयार हो जाएगी।

तिरुपति मंदिर में ...

जस्टिस सुंदेश ने कहा कि आप जो भी अनुष्ठान करते हैं, वह ईश्वर के प्रेम का प्रतीक है, इससे बढ़कर कुछ नहीं है। फिर जस्टिस सुंदेश ने कहा कि हम आपको उच्च न्यायालय जाने की अनुमति देंगे या आपकी इस अर्जी को यहीं खारिज करेंगे। जस्टिस सुंदेश ने पूछा कि क्या इसमें कोई कानूनी आदेश है? इस पर वकील ने कहा कि हमारी प्रार्थना दो संवैधानिक पीठ के फैसलों के अंतर्गत आती है।

जस्टिस सुंदेश ने पूछा कि क्या अब हम ये

कहेंगे कि तिरुपति के लड्डू स्वदेशी होने चाहिए? पीठ ने कहा कि हमने वकील की बात सुन ली है। हम इस पर विचार नहीं करना चाहते हैं। आखिर में वकील ने कहा कि फिर हाई कोर्ट जाने की छूट के साथ याचिका वापस लेने की अनुमति दें। इसके बाद कोर्ट ने याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने की छूट दे दें।

ऑपरेशन सिंदूर ...

भारत जिन कंपनियों से संपर्क में है, उनमें अमेरिका की मैक्सर टेक्नोलॉजी भी शामिल है, जो दुनिया की सबसे हाईटेक सैटेलाइट सिस्टम में से एक संचालित करती है। इसके सैटेलाइट 30 सेंटीमीटर तक की उच्च-रिजोल्यूशन तस्वीरें ले सकते हैं, जिनसे इन्फ्रास्ट्रक्चर, हथियार प्रणाली और सैन्य वाहनों तक की स्पष्ट पहचान संभव है। हालांकि, मैक्सर के प्रवक्ता ने इस बारे में टिप्पणी करने से इनकार करते हुए कहा, 'हम अनुबंध वार्ताओं पर कोई प्रतिक्रिया नहीं देते।

अब तक कार्टोसैट और रीसेट जैसे भारतीय सैटेलाइटों ने दुश्मन की हलचलों पर नजर रखने, हमलों की पुष्टि करने और सैन्य रणनीति तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हालांकि, विशेषज्ञ मानते हैं कि कार्टोसैट-3 की वास्तविक ऑपरेशनल रिजोल्यूशन करीब 50 सेंटीमीटर तक सीमित है और इसकी एकल उपस्थिति के चलते बार-बार एक ही क्षेत्र की स्कैनिंग करना संभव नहीं हो पाता – जो तेजी से बदलते युद्धक्षेत्र में बेहद जरूरी होता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत ने एसबीएस-3 (अंतरिक्ष आधारित निगरानी)कार्यक्रम के तहत 52 नए सैटेलाइटों की तैनाती की प्रक्रिया तेज कर दी है। इसमें जमीन और समुद्र दोनों सीमाओं की निगरानी के लिए उन्नत इमेजिंग और हर मौसम में काम करने वाले सैटेलाइट शामिल होंगे। एक अधिकारी ने बताया, 'इन सैटेलाइटों की लॉन्गिंग अगले साल से शुरू होगी और 2029 तक पूरी तैनाती पूरी कर ली जाएगी।'

पिछले वर्ष अक्टूबर में केंद्र सरकार ने इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए 3.2 बिलियन (करीब 26,000 करोड़ रुपये) की मंजूरी दी थी। इसमें शुरुआती 21 सैटेलाइट इसरो तैयार करेगा और लॉन्च करेगा, जबकि शेष 31 सैटेलाइट निजी कंपनियों द्वारा बनाए जाएंगे। इस पूरे सिस्टम का संचालन डिफेंस स्पेस एजेंसी के अधीन होगा।

यह कदम भारत की सुरक्षा रणनीति में एक बड़ा बदलाव माना जा रहा है, जिससे देश को सीमाओं पर हर गतिविधि की सटीक और तुरंत जानकारी मिल सकेगी और किसी भी चुनौती का प्रभावी जवाब समय पर दिया जा सकेगा।

स्मार्ट वॉर रूम...

भारतीय सेना को लगातार पावरफुल बनाने के लिए केंद्र सरकार अरब फैसेले ले रही है। इस बीच इंडियन आर्म्ड फोर्स एआई तकनीक यानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के लिए तैयार है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, एआई का इस्तेमाल ड्रोन, सैटेलाइट, हवाई जहाज और जमीन पर लगे सेंसर से मिलने वाली जानकारी को प्रोसेस करने में भी होगा। इस जानकारी को मिलाकर तेजी से फैसले लेने में मदद मिलेगी। पहले भी सेना में एआई के इस्तेमाल की बात हुई थी, लेकिन अब इसे तेजी से लागू किया जा रहा है।

सेना ने 2026-27 तक इन तकनीकों को पूरी तरह से अपनाने का लक्ष्य रखा है। सेना की योजना है कि इन तकनीकों का इस्तेमाल कई क्षेत्रों में किया जाए। इनमें खुफिया जानकारी जुटाना, निगरानी बढ़ाना, लॉजिस्टिक्स और सप्लाय चेन का प्रबंधन करना, सोशल मीडिया का विश्लेषण करना, दुश्मन की क्षमताओं का पता लगाना शामिल है। एआई चैटबॉट और वॉयस-टू-टेक्स्ट सिस्टम भी इस्तेमाल किए जाएंगे।

नई तकनीक में चेहरे की पहचान और असामान्य पैटर्न या खतरों का पता लगाने के लिए भी एआई का इस्तेमाल होगा। सेना ने इन तकनीकों को तेजी से अपनाने का फैसला ऑपरेशन सिंदूर से मिली सीख के बाद लिया है। ऑपरेशन सिंदूर मई में पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकी ठिकानों पर किया गया था। इन तकनीकों को लागू करने के लिए एक एआई टास्क फोर्स बनाई जाएगी।

सुभाष घई को पसंद आई फिल्म **सैयारा**, बोले
नई स्टारकास्ट ने मचाया धमाल



म शहर फिल्ममेकर और प्रोड्यूसर सुभाष घई ने अहान पांडे और अनीत पट्टा की डेब्यू फिल्म सैयारा की जमकर तारीफ की। रविवार को सुभाष घई ने इंस्टाग्राम पर फिल्म की एक फोटो शेयर की और टीम की खूब सराहना की।

बता दें कि सुभाष घई ने लगभग 60 साल से फिल्म इंडस्ट्री में

वाली फिल्मों में जरूरत से ज्यादा पैसा खर्च न करें, बड़े स्टार्स पर बहुत पैसा न लगाएं कि प्रोडक्शन का खर्च बढ़ जाए, स्टार्स की मांगों को सीमित करें और दिखावे वाले मार्केटिंग स्टैंड्स भी बेवजह खर्च करने से बचें। अगर कहानी अच्छी हो और सही कलाकार हों, तो दर्शक ऐसी फिल्में देखना जरूर पसंद करते हैं।

सुभाष घई ने आगे लिखा, मेरी तरफ से आदित्य चोपड़ा और मोहित सूरी को दिल से बधाई, जिन्होंने हिंदी कमर्शियल सिनेमा के मूल सिद्धांतों को सही साबित किया और सैयारा जैसी फिल्म का नाम इतिहास में दर्ज करा दिया।

उन्होंने कहा कि एक अच्छा प्रोड्यूसर, प्रतिभाशाली डायरेक्टर, बेहतरीन कहानी, शानदार म्यूजिक, सही कलाकारों का चुनाव, सामान्य बजट और अच्छी

शूटिंग ही फिल्म के लिए
साथने रखती है। बाकी
और कुछ जरूरी नहीं
होता।



उन्होंने आखिर में लिखा, आप सभी को सफलता की ढेर सारी शुभकामनाएं। सिनेमा

जिंदाबाद! सैयारा में
अहान पांडे 'कृष
कपूर के किरदार में

BY MOHIT SURI
AYE WIDHANI

अलग एहसास है। एक दिन
उसका सामना वाणी बत्रा नाम की लड़की से होता
है, जिसका किरदार अनीत पट्टा ने निभाया है। वह एक शांत

और मशहूर लेखिका है। कहानी में सुर और शब्द जब मिलते हैं, तो एक जादुई प्रेम कहानी शुरू होती है।



हैं। उन्होंने कर्ज, हीरो, ताल और राम लखन जैसी कई हिट फिल्में बनाई हैं, जो अपने समय की क्लासिक फिल्में मानी जाती हैं। ऐसे में उनकी तारीफें मिलना सैयारा टीम के लिए काफी मायने रखती हैं।

सुभाष घई ने फोटो शेयर करते हुए लिखा, जब नई स्टार से सजी फिल्म बॉक्स ऑफिस फिल्म इंडस्ट्री को कुछ साफ

अंकिता लोखंडे का शायराना अंदाज, बोलीं
खूबसूरती को बताया सूरज की रोशनी सरीखा

छो टे पर्दे की बड़ी अभिनेत्री अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। उन्होंने एक पोस्ट शेयर किया जिसमें वह नेचुरल खूबसूरती को लेकर विचार साझा कर रही हैं। शायराना अंदाज में अचुरल ब्यूटी की खासियत बता रही हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की, जिसमें वह बालकनी में खड़ी होकर पोज देती नजर आ रही हैं। अभिनेत्री ने बाँड़ीकॉन ड्रेस पहन रखी है, जिसके साथ उन्होंने बाल खोल रखे हैं। तस्वीर पोस्ट कर कैप्शन में लिखा, नेचुरल ब्यूटी को न ही तो आप फिल्टर कर सकते हैं, न ही प्लान, यह उस तरह है जैसे हवा बिखरे बालों में गुनगुनाती है, जैसे सूरज की रोशनी आपको महसूस होती है।

अंकिता का ये शायराना अंदाज पति विक्की की तारीफ करते हुए भी दिखा था। एक पोस्ट में उन्होंने रश्ते, सादगी और मुस्कान को लेकर खूबसूरत लाइनें लिखी थीं। इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, सादगी में भी शान होती है, प्यार की भी अपनी एक पहचान होती है। उसकी मुस्कान में मेरी दुनिया और मेरी चुप्पी में उसकी जान होती है, कुछ रश्ते बेमिशन होते हैं, जिन्हें बस दिल से निभाना होता है।

वर्कफ्रंट की बात करें, तो अंकिता को टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' से घर-घर पहचान मिली। शो

में उनका नाम 'अर्चना' था और उनके साथ लीड रोल में सुशांत सिंह राजपूत थे। छोटे पर्दे के अलावा, अंकिता 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ



झांसी' (2019), 'बागी 3' (2020), और 'स्वातंत्र्य वीर सावरकर' जैसी फिल्मों में भी दिखाई दी हैं। अभिनेत्री फिलहाल कॉमेडी रिऐलिटी शो 'लाफ्टर शेप्स फन अनलिमिटेड 2' में अपने पति विकी जैन के साथ नजर आ रही हैं। शो में उनके साथ कृष्णा अभिषेक, राहुल वैद्य, करण कुंद्रा, निया शर्मा, रीम शेख, सुदेश लहरी, एल्विश यादव, रूबीना दिलैक, अली गोनी और कश्मीरा शाह भी प्रतियोगी हैं। इस शो की मेजबानी भारती सिंह और जज हरपाल सिंह सोखी कर रहे हैं।

अंकिता और विकी जैन ने दिसंबर 2021 में मुंबई के ग्रैंड हयात में आयोजित एक भव्य समारोह में शादी की थी। बाद में इस जोड़े ने सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए 'बिग बॉस 17' में भाग लिया था, जहां रियलिटी शो में उनके उतार-चढ़ाव भरे सफर ने खूब सुर्खियां बटोरीं।

पुणे में संत तुकाराम फिल्म
के शो रद्द, निर्देशक बोले
हमें नुकसान हुआ

आ दित्य ओम की 'संत तुकाराम' 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। वहीं, पुणे में फिल्म का विरोध देखने को मिला। संत तुकाराम संस्थान की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद पुणे में फिल्म के शो रद्द कर दिए गए हैं। इस घटना को लेकर फिल्म के निर्देशक का बयान सामने आया।

फिल्म के निर्देशक आदित्य ओम ने इस मुद्दे पर अपनी बात रखते हुए कहा, पुणे शहर में संत तुकाराम के शो रद्द हुए हैं। संत तुकाराम संस्थान की आपत्तियों के बाद पुणे पुलिस ने एक एडवाइज़री जारी की है। इस एडवाइज़री में सिनेमाघरों को किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए सावधानी बरतने को कहा गया है। इसके चलते, ज्यादातर सिनेमाघरों ने फिल्म के शो रद्द करने का फैसला लिया है।

आदित्य ने अंग बताया, फिल्म को सेंसर बोर्ड ने बिना किसी कट के यू सर्टिफिकेट दिया था। इसके बावजूद, शो रद्द होने से निर्माताओं को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि फिल्म को पूर्ण भक्ति और संत तुकाराम के मूल्यों व शिक्षाओं को फैलाने के उद्देश्य से बनाया गया है।

संत तुकाराम 17वीं सदी के संत-कवि तुकाराम के जीवन और उनकी भक्ति से भरी अभंग रचनाओं पर आधारित है। यह फिल्म उनके आध्यात्मिक और सामाजिक योगदान को दिखाती है। फिल्म में अदित्य ओम के साथ सुबोध भावे, अरुण गोविल, शिशिर शर्मा, संजय मिश्रा, शिवा सूर्यवंशी, शीना चौहान, हेमंत पांडे, गणेश यादव, ललित तिवारी, मुकेश भट्ट, गौरी शंकर, ट्विंकल कपूर, रूपानी जाधव और उद्देग अकबर सामी जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में हैं।

कर्जन फिल्मस और पुरुषोत्तम स्टूडियोज के सहयोग से निर्मित और बी. गौतम ने फिल्म को प्रस्तुत किया है। इस फिल्म को प्रदर्शकों का अच्छा समर्थन मिल रहा। लेकिन, पुणे में हुए इस विवाद ने इसके प्रदर्शन पर असर डाला है। फिलहाल, फिल्म देशभर के अन्य सिनेमाघरों में प्रदर्शित हो रही है।



मैं काम में स्पष्टता और विजन से समझौता नहीं करती : तनीषा मुखर्जी

अ भिनेत्री तनीषा मुखर्जी ने बताया कि वह पहले की तुलना में अब प्रोजेक्ट्स का चुनाव करने में सतर्क हो चुकी हैं। अब वह ऐसे काम करना चाहती हैं, जहां स्पष्टता और नया नजरिया दोनों हों।

तनीषा ने करियर में की गई गलतियों को स्वीकार करते हुए कहा कि अब वह केवल उन प्रोजेक्ट्स के साथ जुड़ना चाहती हैं, जहां स्पष्ट विजन और पैशन दोनों हों।

तनीषा ने कहा, एक कलाकार के रूप में हम अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा करते हैं। वह सही होता है, तो कभी गलत। मैंने भी अपने करियर में कई गलतियाँ की हैं।

लेकिन, आत्ममंथन और अनुभव से मैंने सीखा है कि पुरानी गलतियों को दोहराना नहीं चाहिए। पहले मैं लोगों के विजन पर भरोसा कर उनके साथ काम कर लेती थी। लेकिन, कई बार यह भरोसा मुझे भारी पड़ा और मैं निराश हुई। अब मैं समय और एनर्जी केवल उन प्रोजेक्ट्स में लगाना चाहती हूं, जहां पूरी स्थिती हो।

तनीषा ने कहा, लोगों पर भरोसा करना और उन्हें प्रोत्साहित करना अच्छा है, लेकिन अगर यह आपके काम और विश्वसनीयता की कीमत पर हो, तो यह समझदारी नहीं। अब मैं केवल उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूँ, जिनके पास स्पष्ट विजन और ज्ञान हो। वे चाहे अनुभवी हों या नए, लेकिन उनका नजरिया स्पष्ट होना चाहिए।

तनीषा का मानना है कि आज के कई नए निर्देशक सिनेमा का गहन अध्ययन करते हैं और पूरी तैयारी के साथ आते हैं। वे कहती हैं, पहली बार फिल्म बनाने वाला निर्देशक भी शानदार काम कर सकता है, बशर्ते उसने अपना होमवर्क अच्छे से किया हो। एक कलाकार के तौर पर मैं हमेशा नई संभावनाओं को तलाशना चाहती हूं और चुनौतीपूर्ण किरदार निभाना चाहती हूं। लेकिन, अब मैं उन लोगों के साथ काम नहीं करूंगी, जो अभी भी 'खोज' रहे हैं।

उनके लिए अब दो चीजें ऐसी हैं, जिसे लेकर वह समझौता नहीं कर सकती और वह हैं स्पष्टता और विजन। तनीषा ने कहा, अनुभव से आप समझ जाते हैं कि कौन स्पष्टता के साथ आ रहा है और कौन नहीं। मैं अब उन निर्देशकों के साथ काम करना चाहती हूँ, जो पैशन और स्पष्ट नजरिए के साथ प्रोजेक्ट बनाते हैं, न कि सिर्फ फिल्म बनाने के लिए। आजकल लोग दूसरों की नकल करने में लगे हैं, लेकिन मैं कार्पीकैट्स के साथ काम नहीं करना चाहती। मैं उन लोगों के साथ काम करना चाहती हूँ, जिनमें पैशन, स्पष्टता और अपना नजरिया हो।



सिने जगत पर मैडोलिन का जादू चलाने वाले अनोखे थे संगीतकार सज्जाद हुसैन

तक उन्होंने सितार, वीणा, वायलिन, बांसुरी, पियानो और मँडोलिन जैसे 20 से अधिक वाद्य यंत्रों में महारत हासिल कर ली। खासकर मँडोलिन को उन्होंने सितार की तरह बजाया, जिसे हिंदुस्तानी शास्त्रीय रागों के साथ मिश्रित कर अनोखी धुनें रचीं। उनकी यह कला हिंदी सिनेमा में दर्लभ थी।

सज्जाद का करियर साल 1944 में फिल्म 'दोस्त' से बतौर स्वतंत्र संगीतकार शुरू हुआ। हालांकि, असली पहचान 1950 की फिल्म खेल से मिली, जहां लता मंगेशकर की आवाज में 'भूल जा ऐ दिल मोहब्बत का फसाना' ने दशक के सर्वश्रेष्ठ गीतों में जगह बनाई। 1951 की हलचल का गीत

मेरे नसीब ने मुझको रूला-रूला दिया उनकी छ रचना में एक माना जाता है। सज्जाद खुद अपनी सबसे प्रिय रचना मानते थे। 1952 में 'संगदिल' उनकी व्यावसायिक रूप से सबसे फिल्म रही। इसका गीत वो तो चले गए ऐ याद से उनकी प्यार कर दादरा ताल में और कलावती रागों का मिश्रण था, जो भी संगीत प्रेमियों की जुबान पर है। उनकी गीरी चर्चित फिल्म 'रुस्तम-सोहराब' (193) थी, जिसने उनके संगीत की गहराई को साबित किया।

सज्जाद की खासियत थी उनकी मौलिकता। वे किसी से प्रेरित नहीं थे, बल्कि अपनी संगीतमय दुनिया खुद रचते थे। तकनीकी रूप से जटिल उनकी धुनें गायकों के लिए चुनौती थीं। लता मंगेशकर ने एक बार कहा था, सज्जाद साहब का संगीत मेरे करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। ऐसा संगीत कोई और नहीं बना सका। सज्जाद हमें जनक फिल्म संगीत से जुड़ी ऐसी हस्तियाँ देये, जिनके लिए न कोई आदर्श था न कोई प्रेरणा का स्रोत, उन्होंने खुद ही संगीत की अपनी दुनिया रची और मैडॉलिन में महारत हासिल की। वह अपने संगीत को लेकर सख्त थे और लगभग एक परफेक्शनसिस्ट। कई बार उनका यह स्वभाव फिल्म इंडस्ट्री के दस्तूर से मेल नहीं खाया तो कई दफा उनको एक अडिबल ईसान का दर्जा भी मिला।

हालांकि यह कुछ ऐसी बातें हैं जिनको भारत की स्वीकार नहीं करता है। स्वामीजी लता मोशेकर ने स्वीकार भी किया और इसका खंडन भी किया। सजाद के साथ काम चुकी लता मानी थी कि वह एक शानदार संगीतकार थे। वह खुद अपने लिए प्रेरणा बनना चाहते थे। उनको कुछ अलग करने दिखाना था। इस बात को सजाद ने भी बड़ी सहजता से स्वीकार किया और अपनी तपस्या को लेकर उनमें स्वाभिमान भी नजर आया। यह स्वाभिमान उनके

जीवन में हमेशा रहा।

अक्सर चीजें उनके परफेक्शन के हिसाब से नहीं होती तो वह नाराज हो जाते थे। लता ने एक बार बताया था कि अगर कोई गायक अच्छा नहीं गा पाता था या वादक साज के साथ मेल नहीं मिल पाता था तो सज्जाद कठोरता से केवल इतना कह देते थे, अरे भाई कम से कम साज के साथ तो मेल बैठौओ। लता बताती हैं कि बात अक्सर इतनी ही होती थी, लेकिन लोगों ने उनके स्वभाव को कई बार ठीक से नहीं समझा। इनके बावजूद अखंड संगीतकार का टैग सज्जाद के साथ लगा रहा। वह केवल चुनिंदा फिल्मों में ही संगीत दे पाए।

दो दशकों के करियर में उनकी रचनाएं गिनती में कम थीं, लेकिन क्लास में अधिक। सज्जाद ने कहा था कि चाहे उनकी रचना सफल रही हो या दर्शकों का उसे प्यार मिला हो, उन्होंने अपनी हर काम को अलग अंदाज में किया। उनका काम अनूठा था और सज्जाद को इस पर हमेशा गर्व रहा। सज्जाद का स्वाभिमान उनकी पहचान थी। वे अपनी शर्तों पर काम करते थे। वह अपने आप में पूरी थीम थे। उनके संगीत में भावनाओं की गहरी और तकनीकी जटिलताएं थीं, जो उन्हें हिंदी सिनेमा के सबसे अनूठे संगीतकारों में शुमार करती है।

आज का राशिफल

मेघ – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज दिनभर तनाव बना रहेगा , जिससे आप की कार्यक्षमता पर भी असर दिखेगा । आपके लिए विपरीत परिस्थिति निर्मित हो सकती है। चोट लगने की आशंका है। आप आज ऊर्जा से भरपूर हैं, जो आपके काम में भी स्पष्ट दिखाई देगी । अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने साथी के लिए कुछ समय निकालें। आज आप किसी पर संदेह कर सकते हैं। कुसंगति से दूर रहें। धन लाभ होने की संभावना है। खानपान का ध्यान रखें। प्रसन्नता रहेगी। नौकरीपेशा लोगों का किसी सहयोगी से विवाद हो सकता है। यात्रा का योग बन रहा है स्वास्थ्य परेशान कर सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन जबरदस्त रहेगा। आज आप को अनजान व्यक्तियों से मेलझोल बढ़ाना पड़ सकता है। आप को कुसंग से दूर रहना चाहिए । सामाजिक रूप से आपका सम्मान होगा। खर्च में कमी हो सकती है। आज आप विपरीत परिस्थिति सामना करेंगे। आज आप जीवनसाथी को घूमने लेकर जाएं । किसी मुद्दे पर उनकी सलाह लेकर काम करें। आवश्यक न हो तो यात्रा को टालें। प्रसन्न रहें। शासकीय कार्य पूरे होंगे। कर्ज की रकम वापस मिलेगी। धार्मिक कार्यक्रम का हिस्सा बनें मन प्रफुल्लित रहेगा।

मिथुन – क,कि,कू,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद लेकर ही दिन की शुरुआत करें वाणी पर संयम रखें आपको किसी के साथ विवाद हो सकता है। कार्य क्षेत्र में बाधा आ सकती है। युवाओं को सफलता मिलेगी। नया काम प्रारंभ करने से पहले बड़ों से सलाह जरूर ले। आज आपको धन लाभ होने की संभावना है।जीवनसाथी की जरूरतों का ध्यान रखें। निवेश कर सकते हैं। कामकाजी लोगों को खुशखबरी मिलेगी। पैसक मामले में प्रगति होगी। समय पर जिम्मेदारी पूरी करने का प्रयास करें। नंदी को दाल का भूसा खिलाए गो सेवा करें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज खर्चा ज्यादा होगा मित्रों से विचार विमर्श करें । आज आपको किसीका सहयोग प्राप्त होगा। कुसंगति से दूर रहें। धार्मिक कार्यों में शामिल होंगे। व्यवसाय में लाभ होगा। खानपान को लेकर लापरवाही न करें। प्रसन्न रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। निवेश से अच्छा लाभ मिलेगा । युवाओं को नौकरी मिल सकती है। नए प्रोजेक्ट पर कार्य शुरू कर सकते हैं। किसी से विवाद होने की आशंका है। लम्बीत कार्य को पहले पूरा करें अनावश्यक तकलीफें दूर रहेंगी ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज आप अपने क्रोध पर नियंत्रण रखने में कामयाब होते हैं तो दिन खुशनुमा बीताए अन्यथा दिन मिलाजुला रहेगा। बाह्य ज्ञाते समय सावधान रहें। कोई अग्रिय घटना हो सकती है। आज अच्छे कार्यों पर आपका धन खर्च होगा। आज सेहत को लेकर आप चिंता में रहेंगे। युवाओं को प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिलेगी। अनजान लोग आपको नुकसान पहुंचा सकते हैं। कर्ज लेनदेन करते समय विशेष सावधानी रखें। आज यात्रा करनी पड़ रही है तो गुड का सेवन करके प्रस्थान करें।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज कुछ भाग्यदीड ज्यादा ही होगी थकावट का अनुभव होगा । कामकाजी लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। कारोबार के क्षेत्र में निराशाजनक परिणाम प्राप्त होंगे। आपको किसीका साथ मिलेगा। जीवनसाथी के साथ मधुरता रहेगी। कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। पूजा पाठ करने से मानसिक शांति की प्राप्ति होगी। दिन आपके लिए सामान्य रहेगा। छात्रों का दृढ़ संकल्प और मेहनत रंग लाएगी। अगर आप अविवाहित हैं और विवाह सम्बन्ध के लिए परेशान हैं तो दुर्गा की उपासना करें कार्यासिद्धि होगी मनोवांछित परिणाम मिलेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप को कर्म का फल मिलेगा भाग्य आप का साथ देगा दिन शानदार रहेगा । धन लाभ होने की संभावना है। नए काम में मन लगेगा। किसी की मदद कर सकते हैं।प्राप्त की आराधना से शांति मिलेगी। आपको पदोन्नति मिल सकती है। आपको खुशखबरी मिल सकती है। अनजान लोगों से सतर्क रहें। अपने मित्रों के साथ घूमने जा सकते हैं। स्वास्थ्य सम्बन्धित परेशानी हो सकती है सतर्क रहें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज शिक्षा से जुड़े हुए लोगों को लाभ मिलेगा एवं पदोन्नति भी सम्भव है प्रसन्न रहेंगे। किसी भी विवाद का हिस्सा न बनें। अपने जीवनसाथी को उपहार जरूर दें । आज घर की ज़िम्मेदारी के चलते व्यस्त रहेंगे। युवाओं को कैरियर के लिए काफी मेहनत करनी होगी। शासकीय कार्य लंबित रहेंगे। कर्ज की रकम वापस मिल सकती है। भ्रमता के अनुसार सफलता प्राप्त होगी। आज आप में जोश और उर्जा का संसार रहेगा । आप परिवार के साथ घूमने जा सकते हैं परिवार में खुशी का माहौल रहेगा ।

धनु – ये,यो,भ,मी,भू,धा,फा,बा,भे

आज सूर्य को लाल चंदन से अर्घ्य देकर दिन की शुरुआत करें आपको दिन उज्ज्वल रहेगा । काफी शांत महसूस करेंगे। आध्यात्मिकता की ओर झुकाव होगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। नए लोगों से मुलाकात होगी। योजनाएं बनेंगी। आज अच्छी सेहत का आनंद उठाएंगे। आपको परिवार के सदस्य की छोटी-मोटी तकलीफ होने पर देखभाल करनी पड़ सकती है। मित्रों से मुलाकात होगी। किसी पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने दूसरे शहर जा सकते हैं। अनजान लोगों से सावधान रहें आप को घात पहुंचा सकते हैं आप को सूज-पूज का परिचय देना पड़ेगा

मकर – भो,ज़,ज़ी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज शारीरिक तौर आप को परेशानी हो सकती है ज्यादा मेहनत के काम से परहेज करें । जीवनसाथी की किसी बात से तनाव में रहेंगे। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न करें। किसी कार्य में काफी खर्च हो सकता है। आज कोई ऐसी चीज खरीद सकते हैं, जिसकी आपको जरूरत न हो। बोलचाल के दौरान सावधान रहें। कोई आपकी सरल स्वभाव का लाभ उठा सकता है। रिश्तेदारों के यहां कार्यक्रम से जाना पड़ सकता है। खर्चा भी ज्यादा हो सकता है।

कुम्भ – गु,गो,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज व्यस्तता के कारण आप परिवार को समय नहीं दे पाएंगे । व्यवसाय से धन सम्बन्धित कमी का सामना करना पड़ेगा। युवाओं को कामयाबी मिलेगी। कार्य क्षेत्र में अच्छी सफलता मिल सकती है। अपनी सेहत के प्रति लापरवाही न बरतें। शुभ समाचार प्राप्त हो सकता है। नया काम शुरू करने में जल्दबाजी न दिखाएं। तनाव दूर होगा। उधार की रकम वापस मिल सकती है। लोग आप को भ्रमित कर सकते हैं बड़े सौनियर्स से याद विवाद जैसी स्थिति बनेगी आपको हितेषी का साथ मिलेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ज़,दे,दो,घा,ची

आज आप द्विज है तो यज्ञ करके ही काम की शुरुआत करें सबसे पहले अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रखें। आपको सेहत संबंधी दिक्कतें हो सकती है। कार्य क्षेत्र में किसी तरह का नुकसान उठाना पड़ सकता है। बुजुर्गों के अनुभवों का लाभ मिलेगा। किसी बड़ी समस्या से थिर सकते हैं। कीमती सामानों की सुरक्षा करें। लोन की रकम जमा कर पाएंगे। अभीन और कन्स्ट्रक्शन कारोबार में निवेश करना आप को लाभ देगा । आपकी योजना फलीभूत होगी। किसी से भी बातचीत करके समय श्रद्धा का चयन बड़ी समझदारी से करें आप की प्रतिष्ठा बढेगी सामाजिक तौर पर लाभ दिखेगा।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 जुलाई 2025, मंगलवार

विक्रम संवत : 2082

मास : श्रावण ,कृष्ण पक्ष

तिथि : द्वादशी प्रातः 07:07 तक

नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 07:25 तक

योग : ध्रुव दोपहर 03:32 तक

करण : तैत्तिल प्रातः 07:07 तक

चन्द्राश्रि : वृषभ प्रातः 08:15 तक

सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:52 (हैदराबाद)

सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:49 (बंगलोर)

सूर्योदय : 05:54 , सूर्यास्त 06:42 (तिरुपति)

सूर्योदय : 05:45 , सूर्यास्त 06:42 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30

लाभ : 10:30 से 12:00

अमृत : 12:00 से 01:30

राहकाल : सायं 03:00 से 04:30

दिशाशूल : उत्तर दिशा

उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें

दिन विशेष : भौम प्रदोष व्रत, त्रयोदशी तिथि का क्षय , भद्रा रात्रि 04:40 से

✽ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ✽

पं.चिदम्बर मिश्र (टिड्डू महाराज)

हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतघंटी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सफ़्दशी शंका समाधान किए जाते हैं

फ़क़ड़ शंका मन्दिर, रिकाबागंज, हैदराबाद, (तेलंगाणा)

9246159232, 9866165126

chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सड़क तंत्र सुदृढीकरण को लेकर की बैठक



चंडीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने प्रदेश में सड़क तंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अंतर्राज्यीय सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि हरियाणा में प्रवेश करने वाली सभी सड़कें दुरुस्त होनी चाहिए, ताकि लोगों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो।

नायब सिंह सैनी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़कों की मरम्मत एवं विकास कार्यों को समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए और गुणवत्ता के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने प्रदेश की सड़कों को गड्ढा-मुक्त बनाने के उद्देश्य से विकसित की जा रही मोबाइल ऐप की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि हर विभाग अपनी

सभी सड़कों को शत-प्रतिशत चिह्नित कर जल्द से जल्द ऐप पर अपलोड करना सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्देश दिए कि मोबाइल ऐप सरल होनी चाहिए ताकि आमजन उसका आसानी से उपयोग कर सके। इस एप्लीकेशन में आमजन प्रदेश में क्षतिग्रस्त सड़कों या सड़कों में गड्ढों की शिकायत दर्ज कर सकेगा, इससे त्वरित निपटान सुनिश्चित करते हुए सड़कों का सुधार किया जाएगा।

बैठक में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण कुमार गुप्ता, लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव अनुराग अग्रवाल, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉ. साकेत कुमार, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के प्रबंध निदेशक यश गर्ग और हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड के मुख्य प्रशासक मुकेश कुमार आहुजा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

हरियाणा के नव नियुक्त राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने ली शपथ



चंडीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)।

हरियाणा के नव नियुक्त राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने सोमवार को राज्य के 19वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। हरियाणा राजभवन में आयोजित समारोह में पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति शील नापू ने प्रो. अशीम कुमार घोष को पद एवं निष्ठा की शपथ दिलाई।

राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष, एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद और अनुभवी राजनेता हैं, जो लगभग चार दशकों तक कोलकाता के एक प्रतिष्ठित कॉलेज में राजनीति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष रहे। उन्होंने अकादमिक शोध और राजनीतिक विमर्श में सक्रिय योगदान सहित यूजीसी और आईसीएसए-सआर परियोजनाओं पर भी काम किया है और उनके कई लेख प्रमुख प्रकाशनों में प्रकाशित हुए हैं। शपथ ग्रहण समारोह में पंजाब के

राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनके अलावा, राज्यपाल की धर्मपत्नी मित्रा घोष, मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी सहित राज्यपाल के परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे। समारोह में हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण, कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार, महीपाल ढांडा, डॉ. अरविंद शर्मा, रयाम सिंह राणा, रणबीर गंगवा, कृष्ण कुमार बेदी, श्रुति चौधरी, राज्य मंत्री राजेश नागर और गौरव गौतम, मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी, राज्यपाल के सचिव अतुल द्विवेदी, विधायकगण, विश्वविद्यालयों के कुलपति और वरिष्ठ अधिकारीगण मौजूद रहे। राज्यपाल प्रो. अशीम कुमार घोष ने शपथ ग्रहण समारोह में आए महानुभावों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनकी बधाई स्वीकार की।

जयपुर के जामडोली में युवक की हत्या का मामला पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से मुख्य आरोपी घायल, 9 आरोपी गिरफ्तार

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। जामडोली इलाके में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अनस खान सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के दौरान अनस ने पुलिसकर्मी की पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया, लेकिन इसी दौरान हुई मुठभेड़ में आरोपी के पैर में गोली लग गई। घायल अनस को उपचार के लिए जयपुरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना शनिवार देर रात की है जब जयपुर

के जामडोली थाना क्षेत्र में विपिन नायक नामक युवक की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि हत्या पुरानी रंजिश के चलते की गई थी। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और आक्रोशित लोगों ने जयपुर-आगरा राजमार्ग पर जाम लगा दिया। बड़ी संख्या में लोग सड़क पर उतर आए और न्याय की मांग की। स्थिति को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने मौके पर अतिरिक्त बल तैनात कर दिया और क्षेत्र में सुरक्षा के मद्देनजर कई दुकानों को अस्थायी रूप से बंद करा दिया गया।

पुलिस के मुताबिक हत्या के बाद पूरे शहर में पुलिस ने दबिश देकर आरोपी अनस को भड्वा बस्ती इलाके से पकड़ा। गिरफ्तारी के समय आरोपी ने पुलिस की पिस्टल छीनकर भागने का प्रयास किया, तभी उसके पैर में गोली लगी। पुलिस का कहना है कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई। घायल अनस खान को पहले जयपुरिया अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया, जहां से उसे एक्स-रे जांच के लिए भेजा गया। चिकित्सकों ने पुष्टि की है कि गोली उसके पैर में लगी है और उसका इलाज किया जा रहा है।

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ ‘सहकार एवं रोजगार उत्सव’ राज्य के सहकारी सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमें राज्य में सहकारी सेक्टर को और अधिक मजबूत करने के लिए एकजुट होकर पूरे मनोयोग से प्रयास

भारत के प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक स्कूल में श्रीमद्भागवत गीता पढ़ाई जानी चाहिए : विज

चण्डीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा कि हिन्दुस्तान के प्रत्येक व्यक्ति और प्रत्येक स्कूल में श्रीमद्भागवत गीता पढ़ाई जानी

में श्रीमद्भागवत गीता पढ़ाई जानी चाहिए क्योंकि यह हमारी संस्कृति भी है और हमारा धर्म भी है और हमारी विचारधारा भी है। उन्होंने कहा कि हरियाणा की धरती में भगवान श्रीकृष्ण जी ने अर्जुन को गीता का संदेश दिया था और हरियाणा के बच्चों को यह जानने का अधिकार है कि श्रीकृष्ण जी ने अर्जुन को गीता में क्या ज्ञान दिया था। इसलिए श्रीमद्भागवत गीता पढ़ाई जानी चाहिए।

विज ने कहा कि अधिकार है, अतः श्रीमद्भागवत गीता पढ़ाई जानी चाहिए। विज आज मीडिया कर्मियों द्वारा उत्तराखण्ड के बाद हरियाणा में भी श्रीमद्भागवत गीता पढाए जाने को लेकर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि हिन्दुस्तान के हर आदमी और हर स्कूल

राहुल गांधी जी को देश के 140 करोड़ लोगों पर विश्वास नहीं है और न ही देश की सेना पर विश्वास है तथा न ही देश के प्रधानमंत्री पर विश्वास है, उनको तो केवल पाकिस्तान पर विश्वास है। राहुल गांधी जी वही बात कहेंगे जिस पर पाकिस्तान को विश्वास है।



वन भूमि पर अवैध सड़क निर्माण मामला एक और आरोपी सकुल गिरफ्तार, सरपंच सहित कई पर करोड़ों के लेन-देन का आरोप

चंडीगढ़, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, गुरुग्राम ने रविवार को वन भूमि पर अवैध सड़क निर्माण से जुड़े बहुचर्चित मामले में एक और बड़ी कार्रवाई करते हुए गांव बसई मेव (जिला नूंह) निवासी सकुल पुत्र रहीम खान को गिरफ्तार किया है। उसे मामले में पहले से दर्ज अभियोग संख्या 18 दिनांक 1 जून 2025 के तहत धारा 201, 318(2), 316(2), 61, 270, 329(3), 303 बीएनएस और माइनिंग, पर्यावरण संरक्षण व भूमि सुरक्षा से संबंधित विभिन्न अधिनियमों के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया है। सतर्कता ब्यूरो की टीम ने आरोपी सकुल के खिलाफ तफतीश के दौरान पर्याप्त साक्ष्य एकत्र किए, जिसके आधार पर उसे गिरफ्तार किया गया। सोमवार को आरोपी को जिला नूंह की अदालत में पेश कर पुलिस रिमांड की मांग की जाएगी।

प्रकरण के अनुसार, गांव बसई मेव के तत्कालीन सरपंच हनीफ उर्फ अन्ना ने सरकारी अधिकारियों और खनन माफिया के साथ सांठगांठ कर वन विभाग की जमीन पर अवैध रूप से सड़क निर्माण करवाया। ये निर्माण कार्य गांव बसई मेव से राजस्थान की ओर गांव नांगल और छपरा तक दो रास्तों



पर कराया गया। जांच में सामने आया है कि आरोपी सकुल ने इन अवैध रास्तों के निर्माण गिरफ्तारी के लिए ब्यूरो ने 50-50 लगाई थीं। उसके बदले सरपंच हनीफ उर्फ अन्ना से उसे भारी रकम मिली थी। यह सारा कार्य बिना किसी वैध अनुमति के वन भूमि पर किया गया था, जो न सिर्फ कानून का उल्लंघन है बल्कि पर्यावरणीय दृष्टि से भी गंभीर अपराध है।इस मामले में पूर्व में भी कई बड़ी गिरफ्तारियां हो चुकी हैं। जिनमें बिजेन्द्र राणा (तत्कालीन जिला राजस्व अधिकारी, नूंह), शेर मोहम्मद पुत्र ईशाक और मोहम्मद लतीफ पुत्र अशरु जैसे प्राइवेट व्यक्ति तथा चकबंदी विभाग के तीन अन्य अधिकारी शामिल हैं। सभी को सबूतों के आधार पर पहले ही हिरासत में लिया जा चुका है। वहीं, इस प्रकरण में अभी तीन

आरोपी शाबिर पुत्र रहमान, शौकत पुत्र रहमान और सरपंच हनीफ उर्फ हन्ना पुत्र रूसतम फरार चल रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी के लिए ब्यूरो ने 50-50 हजार रुपये के इनाम की घोषणा कर दी है। टीम लगातार उनकी तलाश में दबिशें दे रही है। ब्यूरो ने स्पष्ट किया है कि प्रकरण की तफतीश अभी जारी है और इसमें शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी गहनता से जांच की जा रही है। आने वाले दिनों में और भी गिरफ्तारी संभव हैं। यह मामला सिर्फ अवैध खनन और भ्रष्टाचार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दूरदर्शा है कि किस तरह कुछ लोग मिलीभगत से प्राकृतिक संसाधनों और सरकारी जमीनों का दोहन कर रहे हैं। एजेंसियां इस केस को मिसाल के तौर पर आगे बढ़ा रही हैं, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं पर रोक लग सके।

राज्य को सहकारिता में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए एकजुट होकर करने होंगे पुरजोर प्रयास: सहकारिता मंत्री

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ ‘सहकार एवं रोजगार उत्सव’ राज्य के सहकारी सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमें राज्य में सहकारी सेक्टर को और अधिक मजबूत करने के लिए एकजुट होकर पूरे मनोयोग से प्रयास

करने होंगे। सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में ‘सहकार एवं रोजगार उत्सव’ के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी ने अपना श्रेष्ठ योगदान दिया। सभी लोगों ने टीम भावना के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया, जिसके अच्छे परिणाम आए और कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित हो सका।

जस्टिस केआर श्रीराम बने राजस्थान हाईकोर्ट के 43वें मुख्य न्यायाधीश

69 दिन का रहेगा कार्यकाल

जयपुर, 21 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट को सोमवार को नया मुख्य न्यायाधीश मिल गया है। जस्टिस केआर श्रीराम ने आज राजभवन में आयोजित समारोह में राजस्थान हाईकोर्ट के 43वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। उन्हें राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस मौके पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, मुख्य सचिव सुधांशु पंत, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उप मुख्यमंत्री दीपा कुमारी, प्रेमचंद बैरवा सहित राज्य सरकार के अन्य मंत्री व वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। जस्टिस केआर श्रीराम मूलतः महाराष्ट्र से हैं। उन्हें वर्ष 2013 में बॉम्बे



हाईकोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश के रूप में नियुक्त किया गया था। वर्ष 2016 में वे स्थायी न्यायाधीश बनाए गए। इसके बाद 27 सितंबर 2024 को उन्होंने मद्रास हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के रूप में कार्यभार संभाला था। अब उनका कार्यकाल 27 सितंबर 2025 तक

रहेगा। इस प्रकार राजस्थान में उनका कार्यकाल करीब 69 दिन का होगा। जस्टिस श्रीराम की नियुक्ति सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश के तहत की गई है। कॉलेजियम ने हाल ही में राजस्थान हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव का

स्थानांतरण मद्रास हाईकोर्ट और जस्टिस केआर श्रीराम का स्थानांतरण राजस्थान हाईकोर्ट में करने की सिफारिश की थी। इस सिफारिश को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद केंद्र सरकार ने अधिसूचना जारी की। हाईकोर्ट को जल्द मिल सकते हैं सात

नए न्यायाधीशराजस्थान हाईकोर्ट को एक-दो दिन में सात नए न्यायाधीश मिलने की संभावना भी जताई जा रही है। इनमें एक न्यायिक सेवा से और छह अधिवक्ता कोटे से होंगे। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम इन नामों की सिफारिश पहले ही कर चुका है। अब केवल राष्ट्रपति भवन से वारंट जारी होने की औपचारिकता शेष है। यदि सभी नियुक्तियां हो जाती हैं तो यह पहली बार होगा जब राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 40 के पार पहुंच जाएगी। गौरतलब है कि राजस्थान हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की स्वीकृत संख्या 50 है। यह नियुक्तियां हाईकोर्ट में लम्बित मामलों के शीघ्र निपटारे और न्याय प्रक्रिया की गति को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही हैं।

